आइए अब प्रार्थना के लिए हमारे सिरों को झुकाएं। जब हमारे सिर और हृदय परमेश्वर के सामने झुके हुए हैं, मैं—मैं सोचता हूं कि यहाँ कितने लोगों के पास विनंती है कि वे चाहेंगे कि परमेश्वर के सम्मुख रखें, बस अपने हाथ को उठाते हुए? अब, जब हम प्रार्थना करते हैं, तो अपने विनंती को आपके हृदय में रखे।

- प्रभु यीशु, आप वो—वो झरना है, जीवन का अविनाशी झरना, आज हममें से होकर बहे, प्रभु, और हमें सारे अविश्वास और सारे पापों से शुद्ध करें, कि हम अब आपके उपस्थिति के साम्हने खड़े हों सके, यह जानते हुए कि हमारे बीच में आवश्यकता है, कि हम जानते हैं कि हम पापी हैं किसी भी आशीष के योग्य नहीं—नहीं है। लेकिन फिर जब हम उसके विषय में सोचते हैं जिसने आकर और हमारे पापों को ले लिया! फिर, जब उसका लहू वहां है, यह—यह हम नहीं है जो परमेश्वर की उपस्थिति में है, यह तो वो है। यह बस उसके लहू के द्वारा हमारी आवाज है। उसका लहू बोल रहा है। हे परमेश्वर, तब हमारे हृदयों को पाप और अविश्वास से शुद्ध करें।
- 3 हमारे हृदय की इच्छाओं को हमें दीजिये, क्योंकि हम में आपकी सेवा करने के लिए वास्तव में ये इच्छाएँ हैं। इन कमजोर परिस्थितियों में और कष्टों में, और संसार की चीजें जो हमें कभी कभी हम पर डाली जाती हैं जिससे कि हम सिद्ध हो सके; हमें यह बताया गया है। तब उसने कहा, "इस पर आश्चर्य ना करो कि ये परिक्षायें तुम पर आती हैं।" वे केवल हमारे भले के लिए काम कर रही हैं और हमें सिद्ध बनाने के लिए, और हमें उस स्थान पर लाने के लिए। अनुभव के ये बड़े बड़े रेगिस्तान, जहां धर्मी लोगों को, संतों के सांचे में ढाला गया है, हम—हम इन अनुभवों के लिए आपको धन्यवाद देते हैं, प्रभु। हमारा कोई मतलब नहीं होगा, कोई भी बुद्धिमान आपकी इच्छा के विपरीत कुछ भी नहीं करना चाहेगा। लेकिन हम प्रार्थना करते हैं, पिता, कि इसमें हम आपके नजदीक लाए जाएंगे।
- 4 और जब बोझ बहुत ही भारी हो जाता है कि हम और आगे नहीं जा सकते हैं, तब हम हमारे हाथ को उठाते हैं और हमारे पिता की ओर चिल्लाते

हैं। तब स्वर्ग से सुनना, प्रभु।

हमें चंगा करें, हमें ठीक करें, परमेश्वर के राज्य के खातिर।

आज सुबह आपके वचन को आशीषित करें, प्रभु। आपका वचन सत्य है।

- 5 और हम अब यहाँ कलीसिया में एकत्र हुए हैं। हम भाई नेविल के लिए, और भाई कैप्स और भाई कोलिन्स के लिए प्रार्थना करते हैं, और बाकी सारे सेवकगण, और—और खजांची, डीकनो, और हर एक जन, और हमारे द्वार पर आये परदेशी लोगों के लिए प्रार्थना करते है। होने पाए यह एक ऐसा दिन हो जिसे हम आपकी उपस्थिति के कारण लंबे समय तक याद रखें।
- हम आज सुबह यहां बड़ी अपेक्षा में हैं, प्रभु। एक दम से मिली सुचना में, एक साथ इकट्ठा हुए है। हम महसूस करते है कि यह एक उद्देश्य के लिए है। होने पाए आपका उद्देश्य पूरा हो जाए, प्रभु। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं, जैसा कि हम स्वयं को समर्पित करते हैं। आमीन।
- यहां होना और लोगों से भरे इस कलीसिया के साथ एकत्र होना शानदार बात है। मैं आज सुबह यहाँ शायद ही किसी के होने की अपेक्षा कर रहा था, क्योंकि मैं शायद ये भी नहीं जानता था, मैं यहाँ आने वाला हूं।
- हम अभी—अभी फिलेदेल्फिया से आए हैं। और सो मैं आया, यह सोचते हुए कि मुझे जल्दी तुरंत ही एरिज़ोना के लिए निकलना होगा, मेरे एक मित्र, कैप्टन जिम मोसले के लिए जिनकी अंतिम संस्कार सभा है, एक बहुत ही बहुमूल्य, धर्मी लड़का, ज्यादा समय नहीं हुआ मैंने मसीह की ओर अगुवाई की, उन तीन मोसले भाइयों को। और उनमें से एक गिर गया, और एक दिन वो हवाई जहाज में था, और तुरन्त ही खत्म हो गया। दस घंटे तक आग में पड़ा रहा, इससे पहले कि वे उसके पास पहुँचते। तो ली अड़ाईस वर्ष का है, उसकी पत्नी छब्बीस वर्ष की है, और—और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है; सबसे छोटा बालक, सात वर्ष का है। बहुत ही दुख की बात है। वे और... जब वे उसे अंदर ले गए, तो उन्हें अगले दिन उसे दफनाना था। तो मैं बस... मुझे नहीं जाना था। और मैंने बस लिखा, या टेलीग्राम के द्वारा भेजा, जो मैं कहने जा रहा था, या जो मैं भाई मोसले के अंतिम संस्कार में कहने वाला था। इनमें से कुछ चीजों को हम समझ नहीं सकते हैं, लेकिन फिर भी वह हर एक काम को बस सही करता हैं।

9 हम यहाँ आज सुबह प्रभु की सेवा में हैं, यह जानते हुए कि—कि कि हम परमेश्वर पर विश्वास करते हैं, कि हमें विश्वास है कि वह हर एक चीज को बिल्कुल ठीक कर देगा। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह क्या है, और यह कैसे काम करती है, हम जानते हैं कि इसे "भलाई के लिए काम," करना है। उसने यह प्रतिज्ञा की है। इसे बस इसी तरह से होना है। कभी—कभी हम समझ यह नहीं पाते, कई बार बहुत ही उलझता जाता है, लेकिन फिर भी हम जानते हैं कि यह सत्य है, क्योंकि बाईबल कहती है कि यह सत्य है। और बाईबल, हमारे लिए, अक्षर रूप में परमेश्वर है।

- 10 अब, हमें अपने विश्वास को कहीं तो रखना है। और यदि—यदि मैंने या हम में से किसी ने भी जीवन में सफल होने की और बहुत बार करोड़पति बनने की कोशिश की है, लेकिन हम इन पैसो के साथ क्या करेंगे? हमें मार्ग के अंत में आना ही होगा, और तब हमारे लिए ये क्या—क्या भला करेगा? समझे? और पैसा एक—एक पर्ची है, इससे एक अदला–बदली करते है, लेकिन आप इसे जीवन के लिए अदला–बदली नहीं कर सकते। जीवन केवल परमेश्वर के पास है।
- 11 सो हम—हम यह महसूस करते है कि हम यहां एक नेगेटिव रूप में हैं। और जब तक वहां एक नेगेटिव है, वहां पर एक वास्तविक को होना है। वास्तविक के बिना नेगेटिव नहीं हो सकता है, देखो, क्योंकि यह वास्तविक के कारण ही नेगेटिव बनता है। जैसे आपके पास किसी वस्तु की नेगेटिव तस्वीर होती है। कहीं कोई तो एक वस्तु होनी चाहिए, या टकराने के लिए, प्रकाश उस लेंस से टकराता है, नहीं तो वहां कोई—कोई नेगेटिव नहीं होगा। तो जब हम देखते हैं कि यहाँ हमारा जीवन नेगेटिव में है, और यह जानते हुए कि हम कहीं न कहीं किसी जीवन की छिव में हैं, तब हम जानते हैं कि कहीं न कहीं तो एक वास्तविक है कि जिस पर प्रकाश चमका है, और यह यहाँ धरती पर कुछ तो प्रतिबिंब हुआ है। और हम तो केवल वो प्रतिबिंब हैं। वास्तविक वस्तु कहीं पर तो है। यदि ऐसा नहीं है, तो मैं दुनिया का सबसे बड़ा भरमाने हुआ मनुष्य हूँ; मैंने अपना जीवन व्यर्थ में बिताया है। लेकिन मैं जानता हूं, संदेह की छाया से परे, कि यह वहां पर है। समझे? इसी लिए हम यहां पर हैं। देखा?
- 12 जब मैं देखता हूं कि आप लोग सारे देश भर से आते हैं, कुछ क्षणों की सुचना में, और कभी-कभी यह मानता हूं, जब मैं इस तरह की सभा

में आता हूं तब यह मुझे यह वास्तव में छोटा महसूस करने को लगाता है; यह सोचकर कि मैं जानता हूं कि यहां लोग सैकड़ों मील की यात्रा करके आये है, बस कुछ मिनटों की सभा में यहाँ पर होने के लिए, बस यहाँ पर बैठने के लिए।

- ¹³ किसी महिला ने हाल ही में एक टिप्पणी को किया, एक दिन आकर और कहा, "मुझे दिखाओ कि वह मनुष्य कहाँ कहाँ पर चला है, और मैं उसके पीछे पीछे उस जमीन पर चलूंगी," कहा, "तो मैं चंगी हो जाऊंगी।" अब, लोग आप पर इस तरह से विश्वास करते हैं, और आप मसीह के एक प्रतिनिधित्व करने वाले हैं, तब हमें क्या करना चाहिए? हमें बहुत ही सावधान रहना चाहिए, क्योंकि आप न ही केवल खुद को गलत तरीके से नष्ट कर रहे हैं, आप दूसरों को भी नष्ट कर रहे हैं जो आपका अनुसरण करते हैं।
- 14 इसलिए, मैं जानता हूं ना कोई संप्रदाय या कुछ भी आपको वहां ले जायेगा। वहां केवल एक ही चीज है जिस पर मुझे विश्वास है। यदि आप मुझ पर विश्वास करते हैं, तो जो मैं आपको बताता हूं उसका अनुसरण करें। क्योंकि, मैं बाईबल का विश्वास करता हूँ, यही परमेश्वर का वचन है। बाकी चीजें विफल हो जाती हैं। मैं बस... वो जीवन है। वो वचन है।
- 15 अब, मैं जानता हूं कि आप... जब मैं यहां आता हूं, तो मैं आपको लंबे समय तक रोके रखता हूं। मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की, जब मैंने महसूस किया कि मैं आज यहां आना चाहता हूं। मेरे बहुत सारे इंटरव्यू थे और फोन आये थे, और इत्यादि। मुझे आज सुबह उनमें से कुछ लोगों से भेंट करना था। और मैंने कहा, "तो ठीक है, भाई नेविल कोई संदेह नहीं मुझे बोलने के लिए कहें।" यह शुक्रवार था। और मैंने कहा, "भाई नेविल हो सकता है मुझे बोलने के लिए कहेंगे। और जब मैं प्रचार करता हूं, तब मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर..." यह बहुत गर्मी है, बहुत ही गर्म। और वो भला था कि हमारे लिए बारिश को भेजने और वास्तविक अत्याधिक गर्मी को खत्म करने के लिए, और आज सुबह हमें एक अच्छी सुबह देने के लिए। मैं प्रार्थना करता हूं कि उसकी भलाई आप में से सभी पर बरसेगी, कि आज सुबह यहां होना आपको हमेशा याद रहेगा। होने पाए आप पर उसका अनुग्रह और आशीषे बनी रहे!

16 कल रात मैं एक बीमार मित्र, भाई बिल डौच से मिलने गया। मैं उसे आज सुबह यहाँ नहीं देख पा रहा हूँ। किसी तरह, मैं नहीं देख पा रहा हूँ। ओह, वो यहाँ है। वो... जी हाँ। और मैं सोच रहा था, "नब्बे वर्ष का एक बूढ़ा मनुष्य, और अब भी वो—वो देश भर में तूफान में से, रेगिस्तान में से होते हुए, और बर्फीले पहाड़ों और चिकनी सड़कों को पार करता है। उसे ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर उसके प्रति भला रहा है; उसे यह नहीं करना है। यदि वह चाहता तो घर पर बैठ सकता था और नौकरों को पंखा हिलाने को लगा सकता था।" लेकिन, बिल डौच को कुछ तो हुआ, उसका फिर से जन्म हुआ था। और जब ऐसा था, उसके हृदय में कुछ तो आया, कि वो केवल इन सभाओं में सम्मलित होने के लिए जीता है। और फिर यदि मुझे परमेश्वर का मुख बनना है, तो क्या मैं ऐसे मित्र को भरमाऊं? अन्यथा मैं तो मर जाऊंगा। तब मुझे उसे बताने दो कि वास्तव में इस बाईबल की सचाई क्या है। फिर, यही परमेश्वर का वचन है। मैं तो बस वही दोहरा रहा हूं जो उसने कहा है।

अब मैं बाईबल में से कुछ पढ़ना चाहता हूँ।

¹⁷ इससे पहले कि हम पढ़ें, मैं यह कहना चाहूंगा कि—कि मैं सोचता हूं कि आज की रात प्रभु भोज की रात है। और आप जो यहां स्थानीय लोग है... बेशक, अन्य लोग हो सकता है अपने घरों को वापस जायेंगे, क्योंकि उन्हें काम पर जाना है। आप यहाँ पर जो स्थानीय लोग जो सभा में हैं, याद रखें, भाई लोग आज रात प्रभु भोज देने जा रहे है।

18 अब, मैं अफ्रीका के लिए अंतिम बुलावट की प्रतीक्षा कर रहा हूं। वे नहीं, मुझे एक मिशनरी के रूप में नहीं आने देना चाहते। सो केवल एक जिरया है जिससे मैं वहां जा सकता हूँ, वहां... मैं केन्या, युगांडा और— और तांगानिका जा रहा हूँ। और एक ही जिरया है जिससे मैं वहां जा सकता हूँ... सबसे पहले, कलीसियायें आपको वहां पर नहीं जाने देंगी, क्योंकि वहां अफ्रीका में वे चाहते हैं कि मैं कुछ तो इस ओर और उस ओर प्रचार करूँ। और मैं इस तरह वहां पर नहीं जाना चाहूंगा। मैं ऐसा करके इतना ढोंगी नहीं बनना चाहूँगा। सो मैं या तो उनसे कहूँगा, "नहीं, श्रीमान, मैं केवल वही प्रचार करूँगा जो परमेश्वर मेरे हृदय में डालता है, और बस ऐसा ही है।" देखा? और मुझे यकीन है कि ऐसा तो नहीं होगा जो वे कोशिश कर रहे है मैं

6 कहा <u>ह</u>ुआ वचन

इस तरह से सिखाऊं। तो, त्रिएक का बपतिस्मा, और इस तरह से इत्यादि करूं, और उनके साथ वाद-विवाद करूं। नहीं।

19 लेकिन मुझे भाई बोज़ के द्वारा, एक बड़े कन्वेंशन को करने के लिए माँगा गया है। वो बस उस कगार पर है कि कुछ दिन उजियाले को देखे जो हम विश्वास करते है। और इसलिए मैंने वहां आने के लिए पुछा है जैसे मैं शिकार यात्रा पर जाता रहा हूं। यदि उन्होंने मुझे वहां पर जाने दिया, जैसे शिकार में जाना... यदि मैं किसी से कह सकूं कि वे मुझे शिकार पर ले जाये, फिर जब मैं वहाँ पहुँचता हूँ, वहां पर जो डॉक्टर—डॉक्टर दूतावास में है, वो शिकागों से मेरा एक गहरा मित्र है। और जैसे ही मैं वहाँ पहुँचता हूँ, वो कहता है, "तो ठीक है, यहाँ पर भाई ब्रंहम हैं। आइये एक सभा को करेंगे।" इसलिए, मेरे वहां होने के बाद, दूतावास मुझे ठुकरा नहीं सकता। यदि वे... इसलिए वे इसे अब इसके जिरये से काम करने की कोशिश कर रहे हैं। तो मैं भरोसा करता हूं कि यह... यदि यह परमेश्वर की इच्छा है, तो यह उस तरह से काम करेगा। समझे? इसे—इसे बस उसको सौंपा गया है। यदि नहीं, तो मैं आपको सूचित करूंगा। मैं नहीं...

²⁰ यदि यह परमेश्वर की इच्छा है, तो मैं सात तुरहियों पर बोलना चाहता हूं। और यह लगभग आठ-दिवसीय सभा होगी, और हम हो सकता है यहाँ टेबरनेकल में नहीं करेंगे। हम यहां एक सभागार को लेने की कोशिश कर रहे हैं।

²¹ अब मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह नया सभागार बस यहीं पर निर्माण हो रहा है, यह बिल्कुल ठीक वहाँ है जहाँ मैंने यीशु को पहली बार दर्शन में देखा था। अब यह बन चूका है, ठीक उसी स्थान पर सभागार बनाया गया है। मैं एक दिन देखने के लिए वहां पर गया। जब मैंने देखा और उसे पूर्व की ओर देखते हुए देखा, आपने मुझे इसे कहते हुए सुना होगा, याद होगा, जब मैं वहां अपने पिता के लिये प्रार्थना कर रहा था; एक—एक छोटा सा लड़का, बस एक लड़का प्रचारक। वहीं पर मैंने उसे देखा। बढ़ते, उसकी ओर देखते हुए; उसने अपने सिर को मुझसे उस ओर घुमाया हुआ था। मैं अपने गले साफ कर रहा था, यहाँ से वहां घूम रहा था, सफ़ेद फूलो वाली झाड़ी के खेत में। और मैं देखता ही रहा, और वह कभी भी मुड़ा नहीं। तब मैंने उसके नाम को पुकारा, "यीशु।" और वह पीछे मुड़ा, उसने अपनी

बाँहों को फैला दिया, और यही सब मुझे दिन के उजाले तक याद रहा। और सो मैं खेत में से बाहर आया, दिन के उजाले की ओर।

तो हो सकता है प्रभु मुझे वहाँ पर उन तुरहियों का प्रचार करने देगा। जहां भी हो, परमेश्वर की इच्छा पूरी होगी।

²² अब अपनी बाईबलों को खोले, यशायाह का पचास-... यशायाह का 53वां अध्याय।

अब, हमें भरोसा है कि परमेश्वर आज सुबह एक साथ आने के हमारे निर्बल प्रयासों को आशीष देगा। हम अभी–अभी फ़िलेदेल्फ़िया से यहाँ आए हैं, जहाँ पर मैं फुल गोस्पल बिजनेस मेन्स कन्वेंशन में था, और वहां पर उनकी भिन्न-भिन्न गवाहियों और आदि को सुन रहा था।

²³ तब मैं, वहां रास्ते पर, मैं... बिली पॉल और मैं, और रिबका और छोटी कोलिन्स लड़की, छोटी बेट्टी कॉलिन्स थे। और बिली एक बहुत अच्छा सोने वाला है, और बेकी उससे बेहतर सोती है, और इसलिए मैं... बेट्टी और मैं बात कर रहे थे। और वह बैकी के साथ पीछे की सीट पर बैठी हुई थी। और मैंने सड़क पर कुछ देखा, कुछ हुआ; और, जब मैंने देखा, कुछ तो मुझ प्रेरणा पर उतरी। और बेट्टी, यदि वो यहाँ है, तो उसने ध्यान दिया कि मैंने बात करना छोड़ दिया और कुछ तो लिखना आरंभ कर दिया। यहीं से जहाँ मुझे आज सुबह के लिए यह विषय मिला।

²⁴ अब आइये हम अपने पैरों पर खड़े हों जाए। यदि हम... अब हम परमेश्वर के वचन के आदर में खड़े हो जाए, जब मैं यशायाह के 53वे अध्याय को पढ़ता हूं।

जो समाचार हमें दिया गया, उसका किसने विश्वास किया? और यहोवा का भुजबल किस पर प्रकट हुआ?

ध्यान दें, आरंभ से ही यह एक प्रश्न है।

क्योंिक वह उसके साम्हने अंकुर की नाई, और ऐसी जड़ के समान उगा... जो निर्जल भूमि में फूट निकले; उसकी न तो कुछ सुन्दरता थी; कि हम उसको देखते, और न उसका रूप ही हमें ऐसा दिखाई पड़ा कि हम उसको चाहते।

वह तुच्छ जाना जाता और मनुष्यों का त्यागा हुआ था; वह दु:खी पुरूष था,... रोग से उसकी जान पहिचान थी; और लोग उस से मुख फेर लेते थे; वह तुच्छ जाना गया, और, हम ने उसका मूल्य न जाना।

निश्चय उसने हमारे रोगों को सह लिया, और हमारे ही दुःखों को उठा लिया: तौभी हम ने उसे परमेश्वर का मारा-कूटा, और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा।

परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया: हमारी ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी; कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाए।

हम तो सब के सब भेड़ की नाई भटक गए थे; हम में से हर एक ने अपना अपना मार्ग लिया; और यहोवा ने हम सभों के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया।

वह सताया गया, और... तौभी वह सहता रहा, और अपना मुंह न खोला: जिस प्रकार भेड़ वध होने के समय वा भेड़ी ऊन कतरने के समय चुपचाप... शान्त रहती है, वैसे ही उसने भी अपना मुंह न खोला।

उसे बन्दीगृह से और न्याय से उठा लिया गया था: और उसके वंश की घोषणा कौन करेगा? वह जीवतों के बीच में से उठा लिया गया; मेरे ही लोगों के अपराधों के कारण उस पर मार पड़ी।

और उसकी कब्र भी दुष्टों के संग ठहराई गई, और मृत्यु के समय वह धनवान का संगी हुआ; यद्यपि उसने किसी प्रकार का अपद्रव न किया था और उसके मुंह से कभी छल की बात नहीं निकली थी।

तौभी यहोवा को यही भाया कि उसे कुचले; उसी ने... उसको रोगी कर दिया; जब तू उसका प्राण दोषबलि करे, तब वह अपना वंश देखने पाएगा, और वह बहुत दिन जीवित रहेगा, और उसके हाथ से यहोवा की इच्छा पूरी हो जाएगी।

और वह अपने प्राणों का दु:ख उठा कर उसे देखेगा, और तृप्त होगा; अपने ज्ञान के द्वारा मेरा धर्मी दास बहुतेरों... को धर्मी ठहराएगा; और उनके अधर्म के कामों का बोझ आप उठा लेगा।

इस कारण मैं उसे महान लोगों के संग भाग दूंगा, और... वह सामर्थियों के संग लूट बांट लेगा; क्योंिक उसने अपना प्राण मृत्यु के लिये उण्डेल दिया: और वह अपराधियों के संग गिना गया; तौभी उसने बहुतों के पाप का बोझ उठा लिया, और, अपराधियों के लिये बिनती करता है।

²⁵ पिता परमेश्वर, आपका वचन एक दीपक है, वो उजियाला जो प्रत्येक विश्वासी के मार्ग को परमेश्वर की उपस्थिति में रोशन करता है, जैसे यह हमें हमारे हाथ में लालटेन को लिए हुए इस तरह आगे ले जाता है। आपने इतना अधिक प्नदान नहीं किया कि हम आरंभ से ही अंत को देखें, और, लेकिन मैं विश्वास के साथ चलता हूं। लेकिन जैसे एक मनुष्य रात में एक अंधेरे जंगल में से होकर यात्रा करता है, और हम वहीं पर हैं; वह उजियाला जिसे वो लिए हुए होता है, यह उजियाला केवल कदम दर कदम ही उजियाले को प्रदान करता है। लेकिन वो पथ, जो ऊपर की ओर ले जाता हुए, केवल उजियाले के साथ चले। और होने पाए वो उजियाला आज वचन पर चमके, तािक हमें परमेश्वर के राज्य की ओर एक कदम और आगे ले जाये। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

बैठ जाये।

²⁶ वो विषय जिस पर आज मैं सभा के लोगों से बोलने के लिए महसूस कर रहा हूं वो है: *सर्वोतम रचना*।

ये इस तरह के एक—एक वचन को लेकर पढ़ना बिल्क अनोखा सा लग सकता है, बाईबल की—की सबसे चोट पहुंचाने वाली और घातक तस्वीरों में से एक, कि जब बाईबल कहती है, कि, "यह सिद्ध दास जो पीड़ित हुआ था, और कुचला गया, और चीरा गया था," और फिर भी उसमें से एक विषय को लेना, जैसे, सर्वोतम रचना। बहुत ही अनोखा है। लेकिन मैं...

²⁷ मेरे मन में आज सुबह विचार आ रहा था, जब हम वापस यात्रा करेंगे, मैं करता हूं, कुछ वर्षों के लिए। मुझे फारेस्ट लॉन में आमंत्रित किया गया था, केलिफोर्निया में—में, जो लॉस एंजिल्स के ऊपर है। वहाँ पर जाने का मेरा पहला उद्देश्य था कि वहां—वहां सेम्पल मैकफर्सन की—की कब्र के दौरे पर जाऊं, जो फोरस्क्वेयर आंदोलन की संस्थापक थी। और मैं उसकी—उसकी कब्र पर गया। और हालांकि एक सेवक के नाई, मैं—मैं महिला के

प्रति भिन्न रहा हूं, लेकिन, फिर भी, मेरे हृदय में, मैं प्रशंसा और आदर करता हूं क्योंकि—क्योंकि जिस बात के लिए वो खड़ी थी, उस—उस घडी में, और जब तक वह धरती पर रही, उस घडी तक वो सतावट और चीजों में से होते हुए गयी। और फिर उसके—उसके प्रिय पुत्र के लिए, जो मेरा एक गहरा मित्र है, रॉल्फ मैकफर्सन।

28 और सेवकों का एक झुण्ड, हम वहाँ पर गए। वे और... हमारे पास में जाने का समय नहीं था वो—वो... उस—उस स्थान के अंदर जहाँ उनका अंतिम संस्कार हुआ है, और उन—उन शरीरों को दीवार के किनारे पर एक—एक छोटे से बक्से में डालते है।

29 और वहां उनके पास कुछ कुछ अलग ही बातें हैं, जैसे कि अंतिम भोज। और यह सूर्य के वास्तविक प्रकाश से प्रकाशमान होता है। और उनके— उनके पास एक बंद करने का किवाड़ है जो उन्हें देता है... जब वे अंदर जाते हैं, तो यह प्रकाश देता है; और फिर जब—जब बस वे बोलना शुरू करते, यह अंधरा हो जाता। और कुछ देर बाद पूरी तरह घोर अँधेरा हो जाता है, और फिर लोग बाहर निकल जाते हैं। और वे पूरा भोज लेते है।

30 और वो महिला जो रहस्य को जानती थी कि इस शीशे को इस स्थान के अंदर कैसे मारना है, इसलिए, इन तस्वीरों को बनाये, क्योंकि, यह—यह बहुत वर्षों पहले एक परिवार में से होते हुए आयी। और ये कला केवल संतान को दी गई थी, और यह एक आखिरी महिला थी। और वे इस तस्वीर को तैयार कर रहे थे। और जब वे उस—उस शीशे को साँचे में ढालकर और जलाने को गए, इसे गरम करने, जो यहूदा इस्करियोती की थी, तो ये टूट गयी। तो फिर उन्होंने इसे फिर से करने की कोशिश की, और यह फिर से टूट गयी। और उसने कहा, "हो सकता है कि हमारा प्रभु नहीं चाहता कि उसके शत्रु की तस्वीर उसके साथ में लगे।" और कहा, "यदि यह फिर से टूट जाता है, तो हम तस्वीर को पूरा नहीं करेंगे।" लेकिन यह उस समय लग गयी। फिर, निश्चित रूप से, यह एक आश्चर्य करने वाली बात थी, और ऐसी चीजें किस तरह से हों जाती है।

31 लेकिन, फिर, मुख्य चीजों में से एक चीज जिसने मेरा ध्यान उस जंगल के मैदान की ओर खींचा, वो माइकल एंजेलो था, वो महान मूर्तिकार, उस—उस मूसा के स्मारक ने। ये वहां एक—एक पुन: उत्पादन था, निश्चय ही। यह मूल नहीं है, लेकिन ये क्या ही एक—एक महान सर्वोतम

रचना थी। और जब मैंने खडे होकर और इसे देखा, मुझे—मुझे यह पसंद आया, कुछ तो ऐसा दिखाई देता था जैसे ये (प्रतिनिधित्व करता है) उसमें कुछ तो है।

32 मैं कला को बहुत ज्यादा पसंद करता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर कला में है। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर संगीत में है। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर संगीत में है। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर प्रकृति में है। परमेश्वर हर कहीं पर है। और जो कुछ भी मूल के विपरीत है वह बिगड़ा हुआ रूप है। परमेश्वर नृत्य में हैं; ना ही उस तरह का नृत्य जो आप यहां करते हैं। लेकिन जब परमेश्वर के पुत्र और कन्या परमेश्वर की आत्मा में होते है, देखो, तो यही वो नृत्य होता है। लेकिन जैसे आज सुबह दो बजे तक वहां उस रास्ते पर नृत्य की होड लग रहती थी, यह उसका बिगड़ा हुआ रूप है।

33 लेकिन, यह, और वह सर्वोतम रचना जो माइकल एंजेलो ने बनायी थी—थी, ऐसा—ऐसा करने के लिए उसे कुछ तो इसका—इसका भुगतान करना पड़ा। वह एक महान मनुष्य था, और इसके लिए उसके जीवन के एक बड़े भुगतान को चुकाना पड़ा था, क्योंकि उसे कांट-छांट कर तराशने में कई, कई वर्ष लगे थे। बस एक संगमरमर के—के चट्टान को लेकर, और इसे तराशते रहना। और, देखिए, केवल वो मनुष्य, खुद मूर्तिकार, जो उसके दिमाग में है उसे वह करने की कोशिश कर रहा है। वो, वही वो एक है। आप वहां चलकर जा सकते हैं और उससे कह सकते हैं, "आप उस बड़े पत्थर पर किस लिए छेनी से मार रहे हैं? " बाहरी व्यक्ति के लिए, जो नहीं जानता कि उसके हृदय में क्या है, यह बकवास है। लेकिन उस व्यक्ति के लिए, जो खुद मूर्तिकार है, उसके—उसके पास उसके मन में एक—एक दर्शन था, जिसे वह बनाने की कोशिश कर रहा है, और उसके मन में जो कुछ भी है वो उसे एक—एक स्मारक के रूप में पुन: उत्पन्न करने का प्रयास कर रहा है। यही कारण है कि वह इसे चट्टानों में से खोद कर निकाल रहा है।

34 और ऐसा करने के लिए, आपको शुरुआत में सही से आरंभ करना होता है, और आपको नमूने को समझना होगा। देखा? शुरू करने के लिए आप एक छोटे से टुकडे को नहीं ले सकते है, "हम इसे इस तरह बनाएंगे; नहीं, मैं सोचता हूं..." नहीं, उसके पास एक सही–सही नमूना होना चाहिए। और उसके दिमाग में वह नमूना था। और वह उस नमूने से भिन्न नहीं हो

सकता। अब, ऐसा करने के लिए, उसे अपने मन में चित्रित करना था, क्योंकि हमारे पास मूसा की कोई वास्तविक तस्वीर नहीं है, लेकिन उसे अपने दिमाग में एक मानसिक तस्वीर को बनाना था, ठीक बिल्कुल वहीं जो मूसा था।

35 अब, एक सच्चा मूर्तिकार प्रेरणा पाया हुआ होता है, जैसे एक सच्चा किव, या कोई सच्चा गायक, संगीतकार, चाहे ये कोई भी हो। सारे वास्तिवक को प्रेरणा से आना है। माइकल एंजेलों के पास अवश्य ही वो प्रेरणा थी कि वास्तव में मूसा कैसा दिखाई देता था। और उसने इसे अपने मन में पकड लिया, कि मूसा अवश्य ही कैसा रहा होगा। सो उस ने संगमरमर के इस बड़े टुकड़े को आगे रखा, उस नमूने के अनुसार काटता है, और नीचे लाकर, और उसे तराशने लगता है, जब तक कि उसके मन में की, जो उसकी वास्तिवक तस्वीर रही होगी उसे नहीं मिल जाती।

36 और उसके बाद जब उसे यह पूरी तरह बिल्कुल सिद्ध पाया, हर एक कोने में, और हर एक स्थान को रगड़ा, और आँखें बिल्कुल सही-सही, हर एक बाल, और दाढ़ी, बिल्कुल वैसा ही जैसा वह था, वह खड़ा हो गया और उसे देखने लगा। मैं—मैं सोचता हूं कि—कि कई, कई कठिन वर्षों का परिश्रम, और किस तरह से उसे हर समय उसी दर्शन को अपने मन में बनाये रखना था, जो वो करने जा रहा था। और ज़रा सोचे, इतने वर्षों से उसके मन में वो दर्शन था, कि इसे बिल्कुल ठीक वैसा ही दिखने को लगाये जो ये था! उसने पहले दर्शन को समझा, और कैसे उसे उस दर्शन के अनुसार काम करना था, काटकर और तैयार करना! और जब वह उस स्थान पर पहुँच गया जहाँ उसने उसे सिद्ध पाया, जब तक कि वह वास्तव में सिद्ध नहीं दिखा; वो खडे होकर और उसकी ओर देखने लगा जब उसने उस सुबह को समाप्त किया, हाथ में हथौड़े को लिए हुए।

और जब उसने इसे देखा तो वह बहुत ही प्रेरणा से भर गया, क्योंकि उसके मन का दर्शन उसके सामने खड़ा हुआ था, वास्तविकता में। उसने जो देखा था, और... उसकी धारणा कि मूसा कैसा था, वहाँ ये खड़ा था जो उसके सामने आ गया था, उसके पास उसके हृदय में इतने वर्षों से जो था। और परिश्रम, और दुख और परेशानियों के घंटे, और निंदा करने वाले, और बाकी की हर एक चीज, लेकिन फिर भी वो उस दर्शन के साथ बना रहा, जब तक ये पूरा न हो गया था।

37 और फिर जब यह पूरा हो गया, तो वह हाथ में हथौड़े को, या मूर्तिकार की हथौड़ी को उसके हाथ में लेकर खड़ा हो गया, और उसने उस स्मारक की ओर देखा। और दर्शन की प्रेरणा जो उसने देखा था, कि उसे किस तरह से करना है, उसे इतना प्रेरणा से भर दिया इतना तक कि वो... प्रेरणा उस पर उतर आयी यहाँ तक वह अपने आप को रोक नहीं पाया, और उसे इसके घुटने के पास दे मारा, और कहा, "बोल!"

³⁸ अब वहां उस बड़ी मूर्ति में, घुटने पर, दाहिने घुटने पर वहां एक दरार है। घुटने के ठीक ऊपर, लगभग छह इंच का, उस एक स्थान पर (मैंने उस पर अपना हाथ डाला है) लगभग *इतना* गहरा है।

³⁹ उसने इतना समय बिताया था, उसके बाद, वर्षों और वर्षों तक, इसे बनाने में लगा दिए; फिर उस—उस प्रभाव के नीचे ये देखते हुए जो उसने अपने हृदय में देखा था और अपने दर्शन में देखा था पूरा हुआ था, और जो देखने की इच्छा थी, यह पूरा हुआ था। और जब ये पूरा हुआ था, तो वह इससे इतना प्रेरित हुआ कि यहाँ तक उसने सोचा कि उसकी अपनी सर्वोतम रचना उससे बात करना चाहिए। और उसने इसे पैर के पास दे मारा, और चिल्लाया, "बोल!" और इसने उस पर एक दरार को बना दिया। इसने मूर्ति पर एक दरार बना दिया।

40 मेरे लिए, ये वो दरार थी जिसने इसे सर्वोतम रचना बना दिया। अब, हो सकता है उस—उस दिमाग के लिए जो भिन्न सोच सकता है, आप सोचेंगे कि इसने बिगाड़ दिया। नहीं, मेरे लिए, इसने—इसने इसे वो बनाया जो ये थी। यह—यह... इतने वर्षों के सावधानीपूर्वक काम करने और परिश्रम करने के बाद, और प्रेरणा, और इत्यादि, इसे बनाने में लगे, उसका परिश्रम व्यर्थ साबित नहीं हुआ था। यह सिद्ध थी, और इसलिए वह चिल्ला उठा, "बोल!" क्योंकि, उसने इसे उसके सामने देख लिया था जिस लक्ष्य को पूरा करने में वो हुआ (था) सक्षम हुआ था, उस दर्शन को पूरा करने के लिए जो उसके मन में था। और इसलिए, प्रेरणा के नीचे, उसने कुछ तो ऐसा किया जो सामान्य से हटकर था। उसने इसे दे मारा, और चिल्लाया, "बोल!" देखो, यदि उसने सोचा होता तो वह ऐसा नहीं करता। लेकिन उसने नहीं सोचा। यह प्रेरणा थी उस देखते हुए जो उसके मन में था वो उसके सामने सिद्ध रूप से खड़ी थी।

41 उसके परिश्रम, और थकावट, और लंबी रातें, और दुनिया से दूर कई दिनों तक, और हो सकता है वो एक सैंडविच को खाता हो। और—और इस पर रगड़ता, और पीछे जाता, और, "नहीं, यह बस इस तरह से नहीं था। अब इसे इस पर नीचे आना है," और इसे रगड़ता। फिर जब उसने इसे देखा, एकदम सही–सही, तो उसने वास्तविकता में देखा। जो उसके मन में नेगेटिव था उसका वास्तविक बन गया था, ये वास्तविक हो गया था, इसलिए ये उसके अंदर उछल पड़ा। और यह इतना वास्तविक था कि उसे चिल्लाना ही था, "बोल!"

- 42 मेरे लिए, यह एक प्रतिबिंब था। ये—ये उसके काम की तारीफ थी, कि उसके अपने खुद के काम ने उसे इतना प्रेरित कर दिया, कि वह इसे मारने और कहने के लिये अपने आपे में नहीं रहा होगा, "बोल!"
- 43 मैंने वहां खड़े होकर और उस स्मारक की ओर देखा। मैंने सोचा कि उस मनुष्य ने इसे बनाने में अवश्य ही बहुत घंटे लगाए होंगे। उन्होंने कहा कि काफी वर्ष लग गए थे। लेकिन यह—यह उसके लिए एक प्रतिबिंब था, क्योंकि यह उसकी—उसकी महान कला का एक योगदान था, उसका महान काम वह जो कर रहा था। और जब वह अंत में इसे पूरा करने से सक्षम हुआ, तो यह बहुत जबरदस्त था।

44 अब हम माइकल एंजेलो के पन्ने को पलटते हैं, और किताब को बंद करते हैं।

और आइए एक और किताब को खोलते है और उस महान मूर्तिकार, सर्वशक्तिमान के बारे में पढ़ें। जो, इससे पहले एक दुनिया थी, और इससे पहले बुनियाद को डाला गया था, उसके मन में वह था जो वह चाहता था, और वह मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाना चाहता था। वह वास्तव में—में कुछ तो बनाना चाहता था उसके लिए जो उसके दर्शन में था, जो उसकी सोच में था।

45 अब, माइकल एंजेलो के लिए, यह उसके विचार का एक गुण था।

और परमेश्वर अपने स्वरूप के अनुसार एक मनुष्य को बनाना चाहता था, वो महान मूर्तिकार, और वह उस पर काम करने लगा। और हम देखते हैं जब उसने इसे भौतिक वस्तुओं में से बनाया। तो पहले शायद मछलियाँ थीं, और उसके बाद पक्षी, और—और फिर धरती पर रेंगनेवाले जन्तु, और—और बहुत सारी चीज़ें थी जो उसने लायी। लेकिन, अंत में, जब

वो मंडराया, रचनाकार होने के नाते, उसके पास... वो एक मनुष्य की तरह नहीं था, अब, एक मूर्तिकार जिसे कुछ तो ऐसी चीज को लेना होता है जिसे बनाया जाना है, एक मूर्ति को तराशने के लिए। वो अनंत वस्तुओं का मूर्तिकार था। वह एक मूर्तिकार था जो बना सकता था और अस्तित्व के अंदर ला सकता था उसे बनाने के लिए जो उसके मन में था। या, अन्यथा, वह वस्तुओं को बना सकता है जो उसके गुण चाहते थे।

- 46 और जब वो रंगने वाली चीजों पर काम करना आरंभ करता है, जैसे वो—वो—वो धरती पर के छोटे–छोटे जानवर। और उसके बाद वह इसे उसमें से किसी और चीज में से लाना आरंभ किया, सब से उच्च। उसके बाद अंत में वो इसे शेर, बाघ, भालू जैसे बड़े जानवरों में ले आया। उसके बाद वो इसे उस—उस—उस जीवन में लाया शायद बंदरों का—का वानरों और इत्यादि का। अब, ना ही एक प्रजाति का विकास, जैसा कि हम सोचते हैं कि एक उसमें से आया ई-... वो एक संपूर्ण रचना थी; परमेश्वर एक स्वरूप में काम कर रहा हैं।
- ⁴⁷ लेकिन अंत में धरती के ऊपर एक आया, एक सिद्धता, और वो एक मनुष्य था। और फिर वह उस मनुष्य में देख सकता था, कि वह उसके जैसा दिखता है। सो अब जब उसने उसकी ओर देखा, तो वो उसके सृष्टिकर्ता का प्रतिबिंब था। परमेश्वर अब उस चीज़ को प्राप्त करने में सक्षम हुआ था जो वो चाहता था, एक मनुष्य उसके अपने स्वरूप में।
- 48 और तब इस पर, में कह सकता हूं, कि जब उस ने इस मनुष्य को बनाया, उसके विषय में अभी भी कुछ ऐसा था जो बस सही नहीं दिखाई पड़ा, क्योंकि वह—वह अकेला था। और ऐसा ही परमेश्वर था, अकेला; वह अनंत था। और मनुष्य अब, परमेश्वर के स्वरूप में, धरती पर स्वयं अस्तित्व में अकेला था। इसलिये उस ने अवश्य ही उसके बायीं ओर थोड़ा सा प्रहार किया होगा, और वहां से उस ने उस में से टुकड़े को लिया, जो उस में से निकाला, और उसे उसके लिए एक सहायक, एक पत्नी बनाया, फिर वह अकेला नहीं था। वह—वह, उसके साथ कोई तो था। और यही उसका महान कार्य है।
- 49 और, वह, किसी भी महान मूर्तिकार के नाई, उसकी—उसकी—उसकी सर्वोतम रचना को लेकर...

अब, पहले, उसके पास स्वयं की एक सर्वोतम रचना थी। लेकिन अब उसने देखा कि वह सर्वोतम रचना अकेली थी, जैसे वह अकेला था, इसलिए उसने सर्वोतम रचना को इसके बगल में प्रहार करके विभाजित किया और एक सहायक को आगे लाया।

50 और अब, दोनों को एक बनाने के लिए, वो उन्हें एक स्थान पर रखता है, किसी भी महान मूर्तिकार के जैसे, जो—जो सुंदर स्थान था।

एक—एक मूर्तिकार एक महान सर्वोतम रचना को बनाकर, और उसके बाद उसे लेकर और वो इसे किसी गली में कहीं तो, या उसे इमारतों के पीछे छिपाकर नहीं रखेगा। जैसा कि हमारे प्रभु ने हमें बताया, "एक मनुष्य एक दीवट को जलाकर और उसे पैमाने के नीचे नहीं रखता है।" जब हम परमेश्वर की सर्वोतम रचना बन जाते हैं, तो हम कहीं गली में नहीं छिपे होते। हमें—हमें अवश्य ही उजियाला देना है।

51 सो हम देखते हैं कि—कि उसने इस सर्वोतम रचना को बनाने के बाद, उसने इसे यहाँ धरती पर रख दिया, और उसे वहां के सबसे सुन्दर स्थान में रख दिया, जो अदन की वाटिका में था। उसने अपनी सर्वोतम रचना को रखा, वे दोनों एक थे, अदन की वाटिका में। उसे अवश्य ही कितनी प्रसन्नता हुई होगी, जब उसने देखा कि यह सर्वोतम रचना अच्छी थी। वो, उसके बाद, हम देखते है कि उसने विश्राम किया; वह अपने काम से बहुत ही खुश था।

52 अब यह याद रखना, मेरी राय में, सर्वोतम रचना को वो प्रहार जिसने उस स्मारक में संत एंजेलो के मूसा की सर्वोतम रचना को बिगाड़ दिया।

और यह वह प्रहार था जिसने उसकी सर्वोत्तम रचना के किनारे को काट दिया, जिसने दुल्हन को बाहर लाया। और अब हम उन्हें अदन की वाटिका में एक सर्वोत्तम रचना परिवार के नाई देखते हैं। ये कितना सुंदर था! और इसने उसे बहुत ही प्रसन्न किया, इतना तक कि उसने—उसने तब विश्राम किया। उसने बोला, "मैं, मैं विश्राम करूंगा।"

53 लेकिन जब वो विश्राम कर रहा था और अपनी सर्वोतम रचना पर भरोसा कर रहा था, तो उसका शत्रु अंदर आ गया और उसने इस सर्वोतम रचना को पाया। और वह, छल से, वह—वह रेंगता हुआ उस—उस वाटिका की दीवारों के नीचे से आता है, और उसके बाद उसने—उसने

इस खूबसूरत सर्वोतम रचना को दूषित कर दिया। उसने—उसने इसे दूषित कर दिया, सो जिससे कि ये—ये गिर गयी।

54 अब, मैं उस घड़ी को देखने की कोशिश कर रहा हूं। और मैंने अपने भतीजे माइक को तीस मिनट में घंटी बजाने के लिए कहा, लेकिन मैं... उसने ऐसा नहीं किया है, और मुझे पहले ही तीस मिनट हो चुके हैं। लेकिन, ऐसा है, हम थोड़ा आगे जारी रखेंगे। समझे? अब, मैं इन नियमों को—को नहीं तोड़ना चाहता हूं। मैंने—मैंने इन नियमों को बनाया है, देखिए, और मैं—मैं... और यहाँ आप ही अपने नियम को तोड़ रहा हूं।

55 अब इस सर्वोतम रचना पर तब ध्यान दें। जब शैतान ने उसे पकड़ लिया, उस भरमाने वाले ने, वो दीवार में से होकर अंदर आया, और— और उसने इस सर्वोतम रचना को दूषित किया। क्योंकि इसी तरह से उसने ऐसा किया, क्या... उसने यह कैसे किया? मैं इसके बारे में और अधिक विस्तार से जाऊंगा। उसने यह कैसे किया, तो... यह सर्वोतम रचना वचन से दीवार से घिरी हुई थी, परमेश्वर के वचन के द्वारा। और परिवार की सर्वोतम रचना, स्वयं, जो इस वचन के द्वारा किलाबंदी की गई थी। लेकिन टुटा वाला भाग, जो मूल से टूट कर अलग हो गया था, उस दीवार से पार होकर गया, यह शैतान को इसे दूषित करने का मौका देता है। और अब जैसा कि आप जानते हैं कि मैं उन चीजों पर क्या विश्वास करता हूं, इसलिए मैं उस पर नहीं बोलना चाहूंगा। लेकिन सर्वोतम रचना टूट गई थी।

⁵⁶ लेकिन, वो महान मूर्तिकार, जब उसने अपने परिवार, सर्वोतम रचना के पतन को देखा, उसने इसे ऐसे ही वहीं पर छोड़ना नहीं चाहा था, मुंह नीचे करके, और ध्वस्त। वह तुरंत ही काम पर निकल पड़ा, इसे फिर से बनाने के लिए। वह नहीं चाहता था कि यह नष्ट हो जाए, हर समय ऐसे ही वहां पड़ी रहे। क्योंकि, वह परमेश्वर है, और वह पराजित नहीं होगा। इसलिए, वह तुरंत ही काम पर निकल पड़ा और फिर से अपने खुद के स्वरूप में एक मनुष्य को बनाना आरंभ कर दिया।

⁵⁷ अब, हम पाते हैं कि रूढ़िवादी संसार ने साथ ही आकर और पूरी चीज को नष्ट कर दिया, क्योंकि जो वाचाये बाँधी गई थीं, वे शर्त के रूप से बाँधी गई थीं, "यदि तुम *ऐसा* नहीं करोगे, या यदि तुम वैसा करोगे।" परमेश्वर, वो महान मूर्तिकार, उसने देखा कि मनुष्य वाचा को बनाये नहीं—नहीं रख सकता। वह बस नहीं कर सकता है। बस बिल्कुल कोई रास्ता है ही नहीं। कुछ देर पहले इंटरव्यू के दौरान मैं कमरे में एक व्यक्ति से बात कर रहा था, वह अभी यहाँ उपस्थित है। कहा, "लेकिन, भाई ब्रंहम, मेरे पास बहुत सारी बातें हैं कि मुझे—मुझे पता है कि यह गलत है," और वो एक—एक धर्मी छोटी महिला है।

- 58 मैंने कहा, "लेकिन—लेकिन, देखो, बहन, आप अपनी ओर ना देखे। ये तो बस आपकी इच्छा है और जिसे आप करने की कोशिश करती हैं। और यदि आप सचमुच प्रभु से प्रेम करती है, तो पूरे मन से उसकी सेवा करने की कोशिश करें, और तब आपकी सारी गलतियाँ प्रभु यीशु के लहू में छिपी होती हैं।" देखा? देखो, उसने मार्ग को बनाया है।
- ⁵⁹ तो वो अब आरंभ करता है, मनुष्य को उसकी वाचाओं से लेता है, ऐसा—ऐसा कहते हुए, "यदि तुम करोगे, तो मैं करूंगा।" और वह अब्राहम नामक मनुष्य से आरम्भ करता है, और अब्राहम को बिना शर्त एक वाचा को देता है। हर समय जब भी वो एक सर्वोत्तम रचना को आरंभ करता, तो शैतान उसे ले लेता, क्योंकि वचन... लेकिन जब उसने अब्राहम के साथ आरम्भ किया, तो उसने कहा, "मैं इसे कर चूका हूँ।" अब यह बिना शर्त के है, ना ही जो... कि—कि, "यदि तुम करोगे, तो मैं करूंगा," लेकिन, "मैं पहले ही इसे कर चूका हूं।" अब परमेश्वर, वो—वो मूर्तिकार, इस सर्वोतम रचना के होने के लिए अटल था।
- 60 तब, अब्राहम में से, धर्म प्रधान आए। और धर्म प्रधान वास्तव में... अब परमेश्वर क्या कर रहा है? वह इस गिरी हुयी सर्वोतम रचना को फिर से बना रहा है। इसलिए, धर्म प्रधानो में, सबसे पहले हम अब्राहम को पाते हैं।
- 61 अब देखो, हर एक सर्वोतम रचना को एक बुनियाद पर रखा गया, एक प्रतिमा। एंजेलो के मूसा का स्मारक संगमरमर के तीन या चार फुट के टुकड़े पर है। इसकी एक बुनियाद थी। तो, परमेश्वर, इस सर्वोतम रचना को तैयार करने में, उसने इसे धर्म प्रधानो की बुनियाद पर रखा। और धर्म प्रधान की बुनियाद, पहले, अब्राहम था, उसके बाद इसहाक, फिर याकूब, फिर यूसुफ, चार कोने।
- 62 और, अब, अब्राहम विश्वास की बुनियाद था। कहा जाए तो इसकी चार बुनियादे थीं। विश्वास की बुनियाद अब्राहम था। प्रेम की बुनियाद इसहाक था। अनुग्रह की बुनियाद याकूब था, याकूब के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह;

हर कोई यह जानता है। लेकिन यूसुफ में सिद्धता थी, यही है वो जहां वह स्मारक को स्थापित कर सकता है; ना ही पहली बुनियाद पर, ना दूसरी बुनियाद पर, ना तीसरी बुनियाद पर, लेकिन चौथी बुनियाद पर।

- 63 अब्राहम ने निश्चित रूप से मसीह को चित्रित किया; उसी तरह से इसहाक ने भी किया, प्रेम में। अब्राहम ने विश्वास में किया; इसहाक ने प्रेम में किया; याकूब ने, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा किया। क्योंकि, याकूब का अर्थ "धोखेबाज," होता है और वो वही था, लेकिन परमेश्वर का अनुग्रह उसके साथ था। लेकिन जब यूसुफ की बात आती है, तो उसके खिलाफ कुछ भी नहीं है, बस एक छोटी सी खरोंच, क्योंकि बुनियाद भी अवश्य ही एक सर्वोतम रचना होना चाहिए। जब उसने अपने पिता भविष्यव्यक्ता से कहा, "फिरौन से कहो कि तुम्हारे लोग पशुपालक हैं—है न की चरवाहे, क्योंकि एक चरवाहा मिस्नियों के लिए घृणित होता है।"
- 64 लेकिन जब बूढ़ा भविष्यव्यक्ता फिरौन के साम्हने आया, उस ने कहा, "तेरे दास गडरिये हैं।" तो इसने इसे खरोंच को लगाया, देखो, यही कारण है कि यह अभी भी इसे सर्वोतम रचना बनाता है।
- 65 अब बुनियादो को रखा गया है, विश्वास, प्रेम, अनुग्रह और सिद्धता में से होते हुए, धर्म प्रधानो में से होते हुए।
- 66 अब इस सर्वोतम रचना पर आने वाले देह का कार्य भविष्यद्वक्ता थे, जो कि वचन थे। मुझे आशा है कि आप इसे समझ सकते हैं। देखा? भविष्यद्वक्ता; ना ही वे नियम! भविष्यद्वक्ता, क्योंकि भविष्यव्यक्ता प्रमाणित वचन थे जो देह को बनाते है; ना ही धर्म प्रधान। भविष्यद्वक्ता, वे वचन थे।
- 67 अंत में, जब उसने बहुत पहले मूसा के दिनों में आरंभ किया और भविष्यद्वक्ताओं में से होते हुए हर एक के पास उतर आया। और, अंत में, देह को बना रहा था, हर समय और नजदीक आते हुए। और उन सब में सबसे बड़ा यूहन्ना था। बाईबल ने ऐसा कहा। यीशु ने इसे कहा। "यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समान महान पुरुष कभी भी स्त्री से नहीं जन्मा," क्योंकि वही वो एक था जो वचन का परिचय दे सकता था।
- 68 और फिर, अंत में, महान सिर, इन सबका सिर आया। बाकी देह ने बस इसके बारे में बात की। बुनियाद धर्म प्रधान के द्वारा रखी गई थी; लेकिन देह उस वचन के द्वारा बनाई गई थी, जो भविष्यद्वक्ता थे; और यहाँ पर इन सबका सिर आता है, यीशु दृश्य पर आया। वहाँ, जब यह सिर का

हिस्सा उस पर रखा गया था, तो हम उसमें परमेश्वर के पूरे हाथ के काम को देखते हैं। हम उसमें वचन के सिद्ध प्रतिबिंब को पाते हैं, क्योंकि वो वचन था, वचन की परिपूर्णता। अब, फिर से, परमेश्वर के पास फिर से सिद्ध सर्वोतम रचना है।

जैसा कि यशायाह ने कहा, "देखो मेरे दास, मेरी सर्वोतम रचना, जो इस एक सिद्ध के आने के लिए मैंने सारे युगों में से होते हुए चित्रित किया है। और यहाँ यह ठीक मेरे सामने खड़ा है, एक सिद्ध!" वहाँ, उसके अपने खुद के स्वरूप में, परमेश्वर को प्रतिबिम्बित करते हुए! क्योंकि उसने कहा, संत यूहन्ना 14 में, "जब तुम मुझे देखते हो, तो तुम पिता को देखते हो।"

69 और तब, "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था," और वचन को काटकर निकाला गया और यह प्रतिबिम्बित किया कि वचन आरम्भ में क्या था। वो, वचन, उसकी अपनी ही समानता में सर्वोतम रचना में प्रतिबिम्बित हुआ, परमेश्वर वापस फिर से अपनी समानता में आया, वचन रूप जो एक मनुष्य के स्वरुप में प्रतिबिंब हुआ, सर्वोतम रचना।

70 सभी भविष्यद्वक्ता के पास दोष थे; वे सारे एक हिस्सा थे। लेकिन यहाँ, अंत में, उसमें से होकर अंत में वो सर्वोतम रचना आगे आती है, वो जो एक सिद्ध है, उसमें बिल्कुल कोई दोष नहीं है, स्वयं बनानेवाला का इतना सिद्ध प्रतिबिंब, उसकी अपनी खुद की छवि उसके कार्य में प्रतिबिंब हुई। "परमेश्वर और मसीह एक थे," इस हद तक, यहाँ तक कि उसने अपनी खुद की आत्मा उसमें डाल दी, और उसके बाद यहाँ तक वो प्रतिमा और बनानेवाला एक हो गए थे। परमेश्वर और उसके मूर्तिकार का काम, उसकी सर्वोतम रचना! जहां मूसा—मूसा था, संत एंजेलो के काम में, एक... या मेरा मतलब माइकल एंजेलो के; जो एक—एक मूर्तिकार का काम जो कि मरा हुआ था, क्योंकि इसे पत्थर में से बनाया गया था। लेकिन यहाँ, प्रधान बनानेवाले ने, जब उसने अपनी हस्तकला को सिद्ध किया, उसने इसके अंदर कदम रखा।

⁷¹ इतना सिद्ध था एक मनुष्य का छुड़ानेवाला, इतना सिद्ध, इतना ईश्वरीय; फिर भी, उसमें कोई सुंदरता नहीं थी कि हम उसकी इच्छा रखते। जब जीवित परमेश्वर का यह कुंवारी से जन्मा पुत्र इतना सिद्ध बना, और नम्र और परमेश्वर के स्वरूप में, इतना तक उस महान स्वामी ने भविष्यद्वक्ताओं में से होते हुए अपने जीवन को लाया... और वो सारे

भविष्यव्यक्ताओं का पूर्ण करने वाला था। वह इतना सिद्ध था, इतना तक कि परमेश्वर ने इसे देखते हुए, उसने उस पर प्रहार किया, और चिल्ला उठा, "बोल!" जैसा कि माइकल एंजेलों ने किया था। "बोल!"

आप कहते है, "क्या ऐसा है?"

72 संत मरकुस 9:7, हम रूपान्तरण के पर्वत पर पाते हैं, जब वहां मूसा खड़ा था, वो नियम, वहां एलिय्याह खड़ा था, वे भविष्यद्वत्ता थे। बहुत पीछे वे धर्म प्रधान, वे पिता, नियम, वे भविष्यव्यक्ता और सभी वहां पर खड़े थे। हमने बादल में से एक आवाज को आते हुए सुना, और कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है; उसकी सुनो!" और यदि वे सुनने जा रहे हैं, तो उसे बोलना ही है। उस पर प्रहार किये जाने के कुछ ही दिन पहले की बात थी। "यह मेरा पुत्र है, जिसके अंदर मैं रहने से प्रसन्न हूं। मैंने उसे सांचे में ढाला है। मुझे उसे इसमें लाते हुए चार हजार वर्ष लग गए हैं। और अब, वह इतना सिद्ध है, मुझे उस पर प्रहार करना है तािक वह बोल सके। उसकी सुनो! वो एक सिद्ध है। वो, वो सर्वोतम रचना है।"

याद रखें, उसे पीछे पुराने नियम में से हर समय चित्रित किया गया था।

हम उसे पाते है वो जंगल में की चट्टान था, जिस पर प्रहार किया गया था, जंगल में की चट्टान। "मैं वो चट्टान हूँ जो जंगल में थी।" लेकिन वह एक ऐसा पत्थर था जो अब तक अपनी सिद्धता में नहीं आया था। लेकिन नमूने के रूप में इसने कलीसिया को पीछे–पीछे लाया, ताकि इसमें से बाहर खींचे जिसे वो खींच सकता है, उन्हें जीवन दे जिन्हें वो जीवन दे सकता है। लेकिन वह जंगल में की चट्टान था। उसे अभी तक मनुष्य नहीं बना था। वो केवल प्रतिछाया के रूप में था।

⁷⁴ मूसा ने उसे इस चट्टान पर खड़ा हुआ देखा। उसने उसे वहां से जाते हुए देखा, और कहा, "यह तो एक मनुष्य का पिछला हिस्सा है।" आप देखो, मूर्तिकार मूसा को प्रस्तुत कर रही थी, जो कि मसीह की एक संभावित छवि था, जब इसे सिद्ध किया गया था तो महान सर्वोतम रचना किस तरह से दिखेगी। उसने उसके पास किया... उसने भीतर डाला, या—या उसने मूसा के लिए उस दर्शन को व्यक्त किया कि वो सर्वोतम रचना कैसी दिखने वाली थी। यह एक मनुष्य का पिछला हिस्सा था, जब ये जंगल में से होकर गुजरा।

⁷⁵ याद रखें, एंजेलो केवल चिल्ला सकता था और प्रतिमा पर प्रहार कर सकता था, और कह सकता था, "बोल!"

लेकिन यह उस महान मूर्तिकार परमेश्वर के लिए कितना भिन्न था। जब उसने एक मनुष्य को अपने स्वरुप में बनाया, इतना सिद्ध कि उसने उसे प्रतिबिंबित किया, परमेश्वर मनुष्य के स्वरूप में से होकर बोला, यह दिखाते हुए कि वह क्या करेगा। वो भविष्यव्यक्ता के जरिये से होकर बोला क्योंकि वे उनके संभावित स्वरूप में थे, जैसे–जैसे वह इसे सिर की ओर ला रहा था। लेकिन जब वह सिर में आया, तो वो पूरा परमेश्वर का स्वरुप था; वह खुद को चित्रित कर रहा था। फिर, हमारे लिए घात हुआ, अब वह हमारे लिए सर्वोत्तम रचना है, परमेश्वर का उपहार, यीशु मसीह, अनन्त जीवन। मैं आशा करता हूं कि हम इसे कभी नहीं भूलेंगे।

⁷⁶ जैसे कि हम दिनों को अन्धकारमय होते देखते हैं, जैसे हम परछाइयों को गिरते हुए देखते हैं! जब, मैं भविष्यवाणी करता हूं, "यह बस सूरज के कुछ ही और चक्कर हैं। यह राष्ट्र ख़त्म हुआ है।" क्या आप जानते हैं...

कल, चार जुलाई को। थॉमस जेफरसन ने स्वतंत्रता की घोषणा पर हस्ताक्षर किए थे, वो और उनके साथ अन्य बोर्ड के लोग थे, और आज़ादी की घंटी बजी, और हमें एक राष्ट्र के रूप में, एक स्वतंत्र घोषित किया गया था। इतिहास के अनुसार, दो सौ वर्षों से अधिक समय में कभी भी ऐसा लोकतंत्र नहीं रहा है। और यह 1776 था, चार जुलाई। और हमारे पास सिर्फ ग्यारह वर्ष बचे हैं। क्या ये कर पाएंगे? नहीं, नहीं कर सकते, देखो। ग्यारह वर्ष। और, यदि ऐसा होता है, तो यह सारे इतिहास को तोड़ देगा।

⁷⁷ और हम समय की स्थिति को देखते हैं। हम लोगों की स्थिति को देखते हैं। हम राजनीति की स्थिति को देखते हैं। हम संसार की स्थिति को देखते हैं। हम संसार की स्थिति को देखते हैं। यह खड़ा नहीं रह सकता। इसे टाइटैनिक की तरह डूबना है। इसे अवश्य ही नीचे जाना है, क्योंकि उनके लिए जगह को देना है। एक राष्ट्र दूसरे को जगह देता है, जब ये गिरता है। और इस राज्य को अवश्य ही गिरना है, और हर दूसरा राज्य, आने वाले राज्य को जगह देना है, जो गिर नहीं सकता। "क्योंकि हम एक ऐसे राज्य को पाते है जो हिलाया नहीं जा सकता," परमेश्वर के इस सिद्ध स्वरूप के जिरये से, सर्वोतम रचना।

⁷⁸ परमेश्वर, जब उसने उसकी ओर देखा, तो वह बहुत ही प्रेरित हुआ! वो बहुत ही... उसे देखने के लिए जिस तरह से उसने देखा, और उसके उस—उस रूप को देखकर, वह इतना प्रेरित हुआ था जो कि यह एक छुड़ाने वाले की सिद्ध सर्वोतम रचना होगी, यीशु छुड़ाने वाला। सो, परमेश्वर, खुद को प्रहार करने के लिए; क्योंकि, अपने स्वयं के दंड का भुगतान करने के लिए, परमेश्वर और मसीह एक हो गए, ताकि परमेश्वर की प्रतिमा में प्रहार किया जा सके, वह घायल हो सके। और इसलिए यशायाह ने कहा, "हम ने उसे परमेश्वर का मारा–कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। परन्तु वह हमारे ही अपराधो के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोडे खाने से हम चंगे हो जाएं।"

⁷⁹ सिद्ध स्वरूप, परमेश्वर-मनुष्य! परमेश्वर, एन मोर्फे, अलौकिक से दर्शन में बदल गया था, और दर्शन को स्वरूप में सामने रखा गया था। और स्वरूप को मारा गया था जिससे कि अलौकिक मृत्यु के अनुभव का स्वाद ले सके, परमेश्वर की सिद्ध सर्वोतम रचना।

वो मूसा में ऐसा नहीं कर सका। वह भविष्यव्यक्ताओं में ऐसा नहीं कर सका; यशायाह, जिसे आरी से चीरा गया था इतना तक उसे टुकड़े–टुकड़े करके चीरा गया। वो पत्थरवाह किए गए भविष्यद्वक्ताओं में इसे नहीं कर सका। वह ऐसा नहीं कर सका, क्योंकि वो इसे महसूस नहीं कर सका; ये तो बस उसके एक भाग ही थे।

लेकिन इस सर्वोतम रचना में, वो परमेश्वरत्व के दैहिक रूप की सम्पूर्णता था। वह सिर्फ मूसा को व्यक्त नहीं कर सकता था; वह अपने संपूर्ण अस्तित्व को इस व्यक्ति में व्यक्त कर सकता था, और सारी मानव जाति के लिए मृत्यु का स्वाद चख सकता था। परमेश्वर की सिद्ध सर्वोतम रचना! परमेश्वर, इसे देखकर इतना प्रेरित हुआ, वो सभी युगों का छुड़ाने वाला बन गया था; तािक उन लोगों के लिए बोले जो पृष्ठभूमि में है, जो पहले रहे थे, और अब है।

80 सारी प्रतिज्ञायें उसी में पूरी हुयी। वह सिद्धता की सिद्धता था। सारी प्रतिष्ठायाये उसमें परिपूर्ण हुई; रूत और बोअज़ में, हमारा कुटुम्बी छुड़ानेवाला; सीनै पर्वत से, हमारा नियम को देने वाला; हमारा

भविष्यव्यक्ता, जंगल से, जब वह वो पहाड़ से आया, जब वह जंगल से आया; जब वह अनंतता से आया और मनुष्य बन गया, वो सिद्ध स्वरुप!

- ⁸¹ परमेश्वर, वहां पीछे युगों में से होते हुए, धर्म प्रधानो के द्वारा, और उसके मंच को तैयार किया, और उन्हें ऊपर ले आया उन भिन्न–भिन्न चीजो में से जिन पर वह इस बुनियाद को रखे। इस पर वह उसके वचन को बनाना आरंभ करता है, वे भविष्यद्वक्ता। और फिर, अंत में, सिद्ध भविष्यव्यक्ता के पास आया, सिद्ध बुनियाद, जो परमेश्वर का सिद्ध दर्शन था।
- 82 और अब, इसे बोलने के लिए, वो वचन है। और वचन को बोलने के लिए, उसे अवश्य ही स्वरुप में आना है। और फिर स्वरुप को बोलने के लिए, इस पर प्रहार करना होगा। वो स्वरुप में आता है, और उसके बाद बोलने के लिए, वो सिद्ध छुड़ानेवाला।
- 83 पुराने नियम की सारी प्रतिछाया उसी में पूरी हुई थी। जैसा कि मैंने उस दिन कहा, पुराने नियम का यहोवा नए का यीशु है। जी हाँ।
- 84 जैसे आप में से बहुत से, पुरुष, महिलाये, मेरी उम्र के; हमारे पास देश भर में बहुत सारी चीन देश की लॉन्ड्री हुआ करती थीं। जब चीनी लोग पहली बार आने लगे, तो वे पश्चिमी तट से पूर्व की ओर बढ़ते हुए आये थे, पूर्वी देश में से आते हुए, इस तरह से आगे बढ़ रहे थे। और जब वे आये, वे ऐसे लोग थे जो हमारी भाषा और हमारे तरीकों से परिचित नहीं थे, लेकिन वे बहुत बढ़िया कपड़ों को धोने वाले थे। और वे टिकट या रसीद नहीं लिख कर बही दे सकते थे जिससे कि आप अपने सही धुले कपड़े वापस पा सकें।

लेकिन, चाइना का व्यक्ति, उसके पास उसका छोटा सा कार्डों का एक बंडल होता था, जिस पर कुछ भी नहीं लिखा होता था। तो जब आप कपड़े धुलवाने आते है, तो वह इस कार्ड को लेकर और एक विशेष तरीके से फाड़ता था; और एक टुकड़ा आपको देता, और दूसरा टुकड़ा वो रख लेता। और, अब, यह हमारे पास अभी जो है, उससे थोड़ा बेहतर है, क्योंकि जब आप इसे दावा करने के लिए वापस आते हैं जो आपका अपना है, तो इन दो टुकड़ों को आपस में जुड़ना चाहिए। यदि आप चाहे भी तो आप इसकी नकल नहीं कर सकते। ऐसा करने का कोई तरीका नहीं है। आप पत्रियों की प्रतियां या कॉपी कर सकते हैं, लेकिन आप जो फाड़ा गया है उसकी नकल नहीं कर सकते। इसे दूसरे टुकड़े के साथ बिल्कुल फिट

होना है। इसलिए, आपके गंदे कपड़े जो आप लाए थे, आप उन्हें इस रसीद से छुड़ा सकते है, क्योंकि यह उस रसीद से बराबर मेल खाता था जिसमें से फाड़ा गया था।

85 और जब परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा, और नियम के नीचे, हमें पाप के लिए दोषी ठहराया; और नियम के पास कोई अनुग्रह नहीं है, यह केवल आपको बताता है कि आप पापी हैं। लेकिन जब यीशु दृश्य पर आया, तो वो उसका पूरा होना था, वह उस—उस हर एक चीज का पूरा होना था जिसकी परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी। वह सिद्ध, प्रतिज्ञा का वैसा ही स्वरूप था। इसलिए, पुराने नियम की सारी प्रतिज्ञाओं को यीशु मसीह में पूरा किया गया था। यह मूसा में पूरी नहीं हो सकी, यह किसी भी भविष्यव्यक्ता में पूरी नहीं हो सकी, लेकिन यह सर्वोतम रचना में पूरी हुई थी। यह उन सभी से मेल खाया जो उसने कहा था कि ऐसा होने जा रहा था।

वैसे ही कलीसिया को हर उस चीज़ से मेल खाना होगा जिसकी परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है। यह अवश्य ही वो टुकड़ा होना है जो इसमें प्रहार करने के द्वारा अलग हुआ है। तो यदि मूल वो वचन है, तो वैसे ही इसमें से निकाले गए उसके अपने लोग वचन ही होंगे, ताकि इसके भाग से मेल खाये।

⁸⁶ इसलिए, चाइना के व्यक्ति, आप दावा कर सकते हैं... जहां पर, नियम आपको दोषी ठहराता है और कहता है कि आप गंदे थे, और आप अपराधी थे, और आपको जेल में डाला जा सकता था। लेकिन जब वो आया, तो वह इसके साथ जुड़ने वाला टुकड़ा था, जो आपको बाहर निकाल सकता है; और आपको वापस ला सकता है ताकि—ताकि पूरी रसीद बन जाए, वो छुटकारा जिसकी परमेश्वर ने पहले अदन की वाटिका में प्रतिज्ञा की थी। "तेरा बीज सर्प के सिर को कुचलेगा। लेकिन, उसकी एड़ी उसके सिर को कुचलेगी—कुचलेगी।"

⁸⁷ अब हम इस सर्वोतम रचना को पाते हैं जिसे परमेश्वर ने पूरा किया था। अब, हम देखते हैं कि वह वो सब था जिसकी ये होने की प्रतिज्ञा की गयी थी। वह सारी प्रतिज्ञायें, वो सारी भविष्यवाणियां, हर एक चीज जिसकी परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी। "तेरा बीज सर्प के सिर को कुचलेगा।" अब वह उसे नियम के साथ नहीं कुचल सकता, और न ही भविष्यव्यक्ताओं के साथ उसे कुचल सकता, लेकिन उसने इसे किया जब स्त्री का बीज

सर्वोतम रचना, मसीह बन गया। वो वही पत्थर था जिसे दानिय्येल ने पहाड़ में से तराशा हुआ देखा था। वही वो एक था जिस पर प्रहार कर सकता था। वही वो एक था जो कुचल सकता है, सर्प के सिर को कुचल सकता है।

- 88 उसका जीवन बिल्कुल मूसा के जीवन से मेल खाता था। उसका जीवन दाऊद से मेल खाता था। आओ देखते हैं कि क्या यही था, क्या वह मेल खाने वाला टुकड़ा है।
- 89 ध्यान दे दाऊद, एक अस्वीकृत राजा, अपने ही लोगों के द्वारा। वो... एक दिन जब वो... उसका अपना पुत्र उसके विरुद्ध विद्रोह करके खड़ा हुआ, और उसने अलग किया और इस्राएल की सेनाओं को विभाजित कर दिया। और वह, दाऊद था, जो अपने ही लोगों के द्वारा, उसके अपने सिंहासन से खदेड़ दिया गया, या निकाल दिया गया।

और वहां उसके मार्ग में एक मनुष्य था जो उस से घृणा रखता था, और वह वहां पर चलकर आता है, दाऊद पर थूकता है। उस पहरेदार ने तलवार खींचकर कहा, "मैं उस कुत्ते के सिर को काटकर अलग कर दूँगा, मेरे राजा पर थूका?"

दाऊद ने कहा, "उसे छोड़ दो। परमेश्वर ने उसे ऐसा करने के लिए कहा।"

90 क्या आप नहीं देखते? "एक दुःखी मनुष्य, दुःख से उसकी जान-पहचान थी। वो एक भेड़ के समान ऊन कतरने वाले के सामने खड़ा होता है, मौन।" वे... उसने यह कहा। शायद दाऊद नहीं जानता था कि वह क्या कह रहा है।

लेकिन लगभग पाँच, छह सौ वर्ष के बाद, या थोड़ा अधिक, दाऊद का पुत्र उन्हीं रास्तों में से होकर जा रहा था, और उस पर थूका गया। लेकिन ध्यान दें कि क्या हुआ था, जब दाऊद, उसके अपने—उसके अपने... जब वह भगोड़ा बन गया; और उसके देश से निकाला गया, जब वह—जब वह वापस आया, तो उस मनुष्य ने शांति और दया के लिए भीख मांगी। यहाँ तक कि जिन लोगों ने उसे मारा, वे भी एक दिन उसे देखेंगे जब वह वापस लौटेगा।

91 और तब हम यूसुफ में पाते हैं, कि यूसुफ एक विशेष तरह का लड़का था, वो आखिरी, बुनियाद का सबसे शीर्ष भाग, जहां पर वो सर्वोतम रचना

को बनाया जाना था। यह विश्वास से आता है, और प्रेम की ओर, और अनुग्रह की ओर, ये सिद्धता की ओर बढ़ता है। और इसने ऐसा ही किया, पैरो से आरंभ करके, मसीह में आगे सिद्धता की ओर बढ़ा। ध्यान दें कि कैसे उसे यूसुफ में चित्रित किया गया था, जो बुनियाद के शीर्ष पर था, जो उन सभी में सबसे सिद्ध था।

92 हम देखते हैं कि यूसुफ का जन्म उसके परिवार में हुआ था। और वह असल में वैध स्त्री के द्वारा जन्मा था, जो याकूब की पत्नी थी। और यह भी ध्यान देना, कि जब वह जन्मा, तो उसके पिता ने उससे प्रेम किया; और उसके भाई बिना कारण के उस से बैर रखते थे। वे उससे क्यों बैर करते थे? क्योंकि वो वचन था।

क्या उसी बुनियाद को देखते हैं? देखा कि बुनियाद का सिरा कैसे आता है? अब, देह के सिर की ओर देखो, जो आता है। अब दुल्हन के सिर को आते देखो। वो वचन था।

और उन्होंने उससे बैर किया, क्योंकि वह एक नबी था। उसने चीजों का पहले से देखा, और उन्हें बताया। वे घटित हुई। कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसने कितना विलंब किया, पर ये उसी तरह से घटित हुआ। और आत्मिक होने के कारण, उसे उसके भाइयों से बहिष्कृत कर दिया गया था। उन्हें उससे प्रेम करना चाहिए था। लेकिन उन्होंने उस से बैर किया, क्योंकि वो एक भविष्यद्वक्ता था, और वह आत्मिक था। और उन्होंने उससे नफरत की।

93 ध्यान दें, उसे चाँदी के लगभग तीस टुकड़ों में बेचा गया था; एक खड़े में फेंक दिया गया, और ये मानते हुए कि मरा हुआ है, लेकिन उसे खड़े में से निकाला गया था। और उसके परीक्षाओं के समय में, बंदीगृह में; वो पिलानेहारा और वो—वो पकानेहारा, हम जानते हैं कि पिलानेहारा बच गया था और पकानेहारा नाश हुआ था। और मसीह के बंदीगृह में, क्रूस पर, एक बचाया गया था और दूसरा नाश हुआ था; दो चोर, दो अपराध करने वाले।

94 और हम ध्यान दिया कि वह उसके बन्दीगृह से निकाला गया था, फिरौन के दाहिने हाथ बैठा; कि कोई फिरौन से बात नहीं कर सकता, केवल यूसुफ के द्वारा ही। और जब यूसुफ ने फिरौन के उस सिंहासन को

छोडा, और सारे मिस्र में तुरही को फूंका गया, आवाज़ आगे–आगे गयी और कहा, "हर एक जन, घुटना टिकाओ, यूसुफ आगे आ रहा है!"

95 ऐसा ही यीशु के साथ होगा। कैसे उसे पिता के द्वारा प्रेम किया गया था, और बिना किसी कारण के उन सांप्रदायिक भाइयों के द्वारा घृणा की गयी। वह चाँदी के तीस टुकड़ों में बेच दिया गया था, जैसा इसे किया था; और मरा समझकर खड़े के अंदर डाल दिया गया। क्रूस पर; एक नाश हुआ और दूसरा एक बच गया। और क्रूस पर से ऊपर उठा लिया गया; और परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठता है, महामिहम में, वो महान आत्मा जो उसमें प्रतिबिंब हुई थी। और कोई भी मनुष्य परमेश्वर से बात नहीं कर सकता, केवल यीशु मसीह के द्वारा ही। इस पर सोचे! और जब वो उस सिंहासन को छोड़ता है, आगे बढ़ना आरंभ करता है, "तुरही फूंकी जाएगी, और हर एक जीभ अंगीकार करेगी।"

96 याद रखें, वह सफलता का पुत्र था। उसने जो कुछ भी किया वह सफल हुआ। चाहे ये बंदीगृह था, या जहां भी ये था, वह सीधे बाहर आया।

और क्या उसने अपने बचों के लिए प्रतिज्ञा नहीं की है कि वो हर एक चीज मिलकर भलाई के लिए काम करेगी? चाहे वो बीमारी हो, बंदीगृह हो, मृत्यु, दुख हो, चाहे ये जो कुछ भी हो, कि यह उनके भलाई के लिए काम करेगा जो उससे प्रेम करते हैं। उसने ये प्रतिज्ञा की है, और ये ऐसा ही होना है। यह वहाँ होना है। यह प्रतीकात्मक है, उस में से होकर हमसे बात की। वह परमेश्वर का वह सिद्ध स्वरूप था। अब हम यहाँ भी देखते हैं, कि जब वह फिर से आता है...

97 याद रखें, यूसुफ ने प्रकाशन के द्वारा अपनी बड़ी भविष्यवाणी के द्वारा, संसार को बचाया। यदि ऐसा यूसुफ के लिए नहीं होता था, तो संसार ख़त्म हो गया होता।

और संसार ख़त्म हो गया होता—होता यदि ऐसा यीशु के लिए नहीं होता था। "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया, कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करें, वह नाश न हो।" परमेश्वर जीवन को बचाकर रख रहा हैं।

98 हम आगे और आगे जा सकते है! क्योंकि, वो पूरी तरह से दाऊद से मेल खाता है। वह मूसा से मेल खाता है। वह एलिय्याह से मेल खाता था। वो युसूफ से मेल खाता था। हर एक चीज को चित्रित किया गया है या

पुराने नियम में उसके द्वारा पहले से बताया, जो ठीक उसी में मेल खाता है, (यह क्या है?) ये एक सिद्ध छुड़ाने वाले को दिखा रहा है। कि, हम अपने पुराने गंदे कपड़ों को लॉन्ड्री या धोने में डाल सकें, जाकर इसे फिर से दावा कर सके। इसे मेमने के लहू में धोया गया है। हम दावा कर सकते हैं जो हमारा अपना है। और हर एक चीज जिसके लिए वह मरा, हम उस पर दावा कर सकते हैं। तो, वह एक सिद्ध वचन था, जिसे चित्रित किया गया था।

99 इससे परमेश्वर, उस महान मूर्तिकार को प्रसन्नता हुई कि उस पर प्रहार करें, और इसे इस तरह से करें। हम उसे यहाँ यशायाह में देखते हैं, जैसे मैंने पढ़ा, "हम सब ने उसे ऐसा ही समझा, हमने उससे मुँह फेर लिया। उसकी कोई सुंदरता नहीं थी कि हम उसको चाहते," हर एक जन उसके बारे में बात करता है, उसका मज़ाक उड़ाता है। मैं अब इस दिन उसके बारे में बात कर रहा हूँ, हर कोई उसका मज़ाक उड़ा रहा है। देखा? "हमने उसे ऐसा समझा, हमने उसे देखा।" समझ लेना का मतलब "उसकी ओर देखना।" "तौभी हमने उसे परमेश्वर का मारा–कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा।" तौभी, उसने, उसने यह किस लिए किया? "वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल हुआ; वह हमारे अधर्म के लिए कुचला गया था।"

100 अब, हम उस पर और आगे और आगे जा सकते हैं, लेकिन मुझे विश्वास है कि आपके पास अब वो तस्वीर है कि मेरा अब क्या मतलब है, परमेश्वर उसकी सर्वोत्तम रचना को वापस बना रहा है।

101 लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आरंभ में जब उसने आदम के बगल में प्रहार किया, तो उसने उसकी बगल से कुछ तो लिया।

अब, मसीह पर प्रहार करना एक कारण के लिए था, कि वह उसमें से निकाल सके, उस एक को, एक परिवार होने के लिए, दुल्हन; वो उसके लिए एक दुल्हन को ले सके। सो जब उसकी सर्वोतम रचना सिद्ध हुई थी, तब उसे इसे प्रहार करना था, उसमें से लेने के लिए; ना ही दूसरा कोई और टुकड़ा, ना ही कोई दूसरी सृष्टि लेकिन उसी सृष्टि में से।

102 मेरे भाई, इस पर बुरा मत सोचना, लेकिन एक मिनट सोचे। यदि उसने उसमें से लिया, उस मूल सृष्टि से, तािक उसके लिए दुल्हन को बनाये, तो उसने कभी भी दूसरी सृष्टि नहीं बनाई। उन्होंने मूल सृष्टि के एक भाग

को लिया। फिर, यदि वो वचन था, तो दुल्हन क्या होनी चाहिए? इसे मूल वचन होना चाहिए, वचन में जीवित परमेश्वर।

103 किम्बरली, दक्षिण अफ्रीका। एक बार मैं हीरों की ओर देख रहा था कि किस तरह से उन्हें जमीन में से बाहर निकाला जाता था। और मैंने उन्हें वहां पर रखा हुआ देखा। जब, तो, उस—उस कारखाने का अधीक्षक, मतलब खदान का, वे प्रार्थना पंक्ति में मेरे संचालको में से एक थे। और मैंने ध्यान दिया कि हीरे, जिनकी कीमत दसो हजार डॉलर है, एक साथ ढेर में लगे हुए थे, लेकिन वे रोशनी के नीचे भी नहीं चमक रहे थे। और मैं ने खदान के अधीक्षक से कहा, मैं ने कहा, "वे क्यों नहीं चमक रहे है?"

104 उसने कहा, "महोदय, वे अभी तक काटे नहीं गए हैं। उन्हें अवश्य ही काटा जाना होगा। उसके बाद, जब उन्हें काटा जाता है, तो वे प्रकाश को प्रतिबिंब करते हैं।" आप वही पर हो।

105 सर्वोतम रचना को अवश्य ही काटा जाना है। ध्यान दे, किस बात के लिए काटा जाना है? क्या टुकड़ा काटकर अलग किया जाता है? नहीं, नहीं। जो टुकड़ा काट दिया जाता है, ये एक विक्ट्रोला सुई को बनाता है, और विक्ट्रोला सुई को एक—एक—एक रिकॉर्ड पर रखा जाता है जो संगीत दुनिया नहीं देख सकती है। लेकिन सुई वो चीज है जो इस संगीत को बाहर लाती है, जो वचन का सचा अनुवाद है।

106 उसका जीवन सभी लोगों से मेल खाता था। उस पर प्रहार करके परमेश्वर प्रसन्न हुआ। और, अब, उसने उस पर क्यों प्रहार किया? जिस कारण से उसे आदम पर प्रहार करना था।

107 अब हम उसे घायल, परमेश्वर का मारा-कुटा और सताया हुआ देखते हैं, सिद्ध मेमना पापी—पापी के लिए घात हुआ, एक सर्वोत्तम रचना।

108 अब, लगभग दो हजार वर्षों से, परमेश्वर फिर से उसे एक सर्वोतम रचना बना रहा है। क्योंकि, उसने आदम पर प्रहार किया ताकि एक सर्वो—... उसके एक टुकडे को ले, उसका एक भाग, एक पसली ताकि उसके लिए एक पत्नी को बनाये। और अब वह सर्वोतम रचना जिसे उसने कलवरी पर प्रहार किया, उसने उसका एक टुकड़ा निकाल लिया। यह बस नया नियम है, ऐसा ही है। उसने पुराने नियम को पूरा किया। अब यह नया नियम है, एक और टुकड़ा जिसे पूरा किया जाना है। देखो, नया और पुराना नियम पति और पत्नी है। समझे? और इसने नए को ले लिया—... वो पुराना, नए

को पहले से दिखाने के लिए; मसीह आया, सर्वोत्तम रचना, ताकि उसे पूरा करे। अब उसकी दुल्हन वो सब कुछ पूरा करेगी जो नए नियम में है। एक और सर्वोत्तम रचना बन रही है।

109 जैसे इसने सर्वोतम रचना को बनाने में उसे चार हजार वर्ष लग गये; अब उसने लगभग दो हजार वर्ष एक और सर्वोतम रचना को बनाने के लिए लगाये है, मसीह के लिए एक दुल्हन, एक और सर्वोतम रचना। ऐसा करने में, वह इसे अपनी कभी न बदलने वाली विधि से करता है, ठीक उसी तरह जैसे उसने सर्वोतम रचना को बनाया; उसका वचन। इसी तरह से वह अपनी सर्वोतम रचना को बनाता है, क्योंकि वो केवल एक सिद्ध सर्वोतम रचना तब हो सकता है जब ये सिद्ध वचन होता है।

कोई भी गंदगी, कचरा, डाली गयी चीजें, ये टूट जायेंगे। "लेकिन आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन वो वचन कभी नहीं टूटेगा।" आपको याद है, एक हीरे को काटने के लिए, आपके पास ऐसा करने के लिए एक सही तरह का औजार होना चाहिए, न कि ऐसा कोई भी टुकड़ा इसे करेगा। मैंने देखा है कि उनमें से टनों–टन बहुत ही बड़े टुकड़े पीसकर सीधे इसमें से होकर निकलते हैं, और उन्हें बड़े–बड़े टनो के वजनदार इसके ऊपर से जाते है, उस हीरे को ठीक इसमें से होकर निकालते है। नहीं, ये हीरे को नहीं तोड़ता। इसे काटना होता है।

110 अब वो उसी काम को अपने कभी न बदलने वाली विधि में कर रहा है। हम पाते हैं, मलाकी 3 में, उसने कहा, "मैं परमेश्वर हूँ, और मैं नहीं बदलता।" वह अपने विधि को नहीं बदल सकता।

111 अब, जैसा उसने अब्राहम में आरंभ किया। पहली सर्वोतम रचना के गिरने के बाद, उसने एक बुनियाद पर अब्राहम में आरंभ किया, ताकि एक और सर्वोतम रचना को बनाये।

उसने पेंटीकोस्ट के दिन पर आरंभ किया, एक और सर्वोतम रचना को बनाने के लिए, मूल बीज, वचन। पहली कलीसिया में आरंभ किया। यह क्या था? बीज, वचन, वचन प्रकट हुआ, वह प्रतिज्ञा जो दी गई थी। योएल ने कहा, "ये अंत के दिनों में पूरा होगा, परमेश्वर यों कहता है, मैं अपना आत्मा सब प्राणियों पर उण्डेलूंगा; तुम्हारे बेटे और बेटियाँ भविष्यद्वाणी करेंगे, तेरे पुरनिये स्वप्न देखेंगे, तेरे जवान पुरुष दर्शन देखेंगे।" वो अंत के दिनों में, दो, पिछले दो हजार वर्षों में जो करेगा।

112 ध्यान दे, और यह मूल के रूप में आरंभ हुआ। जैसा यीशु ने कहा, "परमेश्वर का वचन एक बीज है जिसे बोने वाले ने बोया है।" और वो बोने वाला था। बीज वचन था। और, ध्यान दें, कोई भी बीज जो ऐसे ही बना रहता है वह कभी भी कुछ नहीं करता है। इसे फिर से अपना उत्पादन को लाने के लिए जमीन के अंदर जाना होगा। और यह बीज, वो सिद्ध कलीसिया, रोम के निसीया में जमीन पर गिरा या, जब वह एक संप्रदाय बन गई।

113 अब, इतिहासकार, याद रखना। और आप जो इस टेप को सुनेंगे, इसे जांचे और पता करें कि क्या यह सही नहीं है कि नहीं। कलीसिया निसीया, रोम में मर गयी, जब उसने मूल वचन के स्थान पर हठधर्मिता और मत—सिद्धांत को ले लिया। यह क्या था? परमेश्वर ने उस पहली कलीसिया के द्वारा दिखाया था कि वो परमेश्वर था। उसके पास एक सिद्ध कलीसिया थी; लेकिन कलीसिया, अन्य सभी बीजों की तरह, अवश्य ही जमीन में गिरना और मरना है। अब, ये जमीन के अंदर गिरा, और मर गया, और सड गया।

114 आप जानते है, मैंने यहाँ बहुत पहले एक किताब को पढा था। किसी ने एक—एक किताब को लिखा, और कहा, मौन परमेश्वर। हो सकता है आपने इसे पढ़ा हो। मैं भूल जाता हूँ, मैं—मैं सोचता हूं बंबैक... नहीं, मैं नहीं जानता, मुझे पक्का नहीं है कि इसे किसने लिखा था। लेकिन मैं याद नहीं कर पा रहा हूं। ये मेरे अपने अध्ययन कक्ष में है। मौन परमेश्वर, कहा, "परमेश्वर, हजार वर्षों के अंधकार के युगों में से होते हुए, मौन बैठा था और कभी हाथ को भी नहीं बढ़ाया, और विश्वासयोग्य शहीदों को शेरों के मांद में जाते देखा; और रोमी लोगों के द्वारा जला दिए गये; हर प्रकार की हत्या; स्त्रीयों ने उनके कपड़े उतार दिये, और अपने लम्बे बालों में तारकोल लगाकर आग लगा दी, और उन्हें जला दिया।" याद रखें, छोटे बालो को रखना सबसे पहले रोम में शुरू हुआ। और मसीही स्त्रियों के बाल लम्बे थे, सो उन्होंने—उन्होंने उसे तारकोल में डुबाया, और उन्हें आग लगा दी, और उन्हें जला दिया, और उन्हें नंगा किया; शेरों को खिलाया। और लेखक ऐसा कहता है, "वो परमेश्वर कहाँ है?"

ओह, कभी-कभी मनुष्य का अंधापन होता है! क्या आप नहीं जानते कि उस बीज को मरना था? उसने कभी भी उन्हें छुड़ाने की कोशिश नहीं

की। वे विजय में नीचे चले गए। वे नीचे चले गए, लहू बह रहा था और मर रहे थे, उनके जीवन को दे रहे थे। क्यों? ये एक बीज था। इसे जमीन के अंदर गिरना था, जैसा कि पहले, यूहन्ना 12 हमें बताता है। "गेहूँ के दाने को, इसे भूमि के अंदर गिरना होगा और वहां मरना होगा; और न केवल मरना हैं, वरन सड़ना भी हैं।" लेकिन वो संप्रदाय थोडा ही जानती थी कि वह जीवन अभी भी उसमें था। हालांकि कलीसिया अपने आप में...

115 उस निसिया परिषद में, पंद्रह दिनों की लहूलुहान राजनीतिज्ञ वाद – विवाद पर, जब वे धनवान वर्ग के लोग आये और इन बड़े उच्च पदाधिकारी व्यक्तियों को कलीसिया के अंदर डालना चाहते थे। और वहां उस जंगल में से भविष्यद्वक्ता जड़ी – बूटी खाते हुए, और पशुओं की खाल में लपेटे हुए बाहर आये, सच्चे भविष्यद्वक्ता, और उन्होंने उन्हें बाहर निकाल दिया। क्यों? बीज को जमीन के अंदर गिरना है। इसे मरना होगा।

116 ये अंधकार के युगों में, वहां अंधेरी मिट्टी के नीचे मर गया। उन्होंने सोचा कि यह खत्म हो गया है। आप जानते हैं, संत यूहन्ना 12:24, यीशु ने कहा, "जब तक गेहूँ का एक दाना भूमि में नहीं गिरता है, वो अकेला ही रहता है।" और पहली कलीसिया वो उपउत्पादन थी, वो दुल्हन, वह बीज, वह वचन प्रकट बना, जो रोम के निसिया में भूमि के अंदर गिर गया।

117 सुनना, कलीसिया, उन सारे राष्ट्र भर में जो इसे सुनेंगे। वहां तुम्हारी मिट्टी है, ये वे संप्रदाय हैं। वहाँ है जहाँ वचन को क्रूस पर चढ़ाया गया, और उन्होंने मत-सिद्धांत को स्वीकार किया। और सैकड़ों और सैकड़ों वर्षों के अंधकार युगों के लिए, वचन की सामर्थ और प्रगटीकरण संसार से छिपी हुई थी। केवल कैथोलिकवाद ने शासन किया। जब इतिहास पढ़ते है हम सभी यह जानते हैं। केवल कैथोलिकवाद का शासन।

118 लेकिन आप—आप एक अंकुरित हुए बीज को छुपा नहीं सकते है, उसे आगे आना ही होगा क्योंकि (क्यों?) वो महान मूर्तिकार उसके काम पर है। वह फिर से बनाने जा रहा है। सो वह...

बीज नीचे चला गया, वो वचन।

119 जब हम संत पौलुस, पतरस, याकूब, यूहन्ना को देखते है, वे सभी जिन्होंने वचन लिखा था। और उन्होंने लिखा, जो वचन उन्होंने लिखा वह जीवित बना, और जीवित रहा, और ये जीवित रहा। और जब हम देखते हैं, इसके पकने के बाद, यूहन्ना ने पत्रियों में लिखना आरंभ किया, चौबीस घंटे

तक तेल में जलाने के बाद उसे पतमुस के टापू पर फेंक दिया गया। लेकिन वचन को अवश्य ही आगे आना है। इसे लिखा जाना है। वे उसमें से पवित्र आत्मा को तेल से नहीं उबाल सकते थे, इसलिए वो बाहर आ गया। उसका काम खत्म नहीं हुआ था। उसकी स्वाभाविक मृत्यु हुई।

120 पॉलीकार्प, जो यूहन्ना का चेला था, वो वचन को आगे लेकर गया। और पॉलीकार्प से ईरेनियस आया। और ईरेनियस, परमेश्वर का महान व्यक्ति जो उसी सुसमाचार पर विश्वास करता था जिस पर हम विश्वास करते हैं, "वचन परिपक्व है।" कलीसिया इसे निचोड़ कर बाहर निकालने की कोशिश कर रहा थी।

121 अंत में यह निसिया, रोम में आया, और वहाँ भूमि के अंदर गिरा, संत मार्टिन के बाद, और उसकी हत्या कर दी गई थी। संत मार्टिन ने उसी बात का विश्वास किया जो हम विश्वास करते हैं। वह उसी बात पर खड़ा था; पिवत्र आत्मा के बितरमें पर, यीशु के नाम में पानी में बपितरमा। वह उसी बात में खड़ा था जिस पर हम खड़े होते हैं। और वो एक भविष्यव्यक्ता था, और परमेश्वर के पूरे वचन पर विश्वास किया। और अंत में वे क्रूस पर चढ़ाए गए थे, और उन्हें जमीन के अंदर मसला गया, और सैकड़ों वर्ष तक वहीं पड़े हुए थे, जब तक बीज यह बाहर से सड़ नहीं जाता। पुराने शरीर सड़ चुके हैं। मैं संत एंजेलो में रहा हूं, कब्रों के तहखाने में गया हूं, और देखा है कि वे कहां पर मरे, और उनकी टूटी हुई हड्डियां और हर एक चीज थी। वे अंत में सड़ गये इतना तक उनकी हड्डियाँ भी जा चुकी थी, लेकिन जीवन अभी भी वहीं पर था।

122 गेहूँ का दाना जो जमीन के अंदर चला गया... निसिया परिषद में, ये मार्टिन लूथर में फिर से अंकुरित होना आरंभ होता है। जैसे कोई भी दाना ऊपर आता है, या गेहूँ; बीज के सड़ने के बाद, जीवन आगे बढ़ने लगता है। और यह मार्टिन लूथर में आगे आना आरंभ होता है। पहली चीज उसने क्या किया? कैथोलिकवाद के संप्रदाय को अस्वीकार करता है, विरोध किया कि यह गलत था। क्योंकि, उसने कहा, "धर्मी जन विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा।" ये क्या था? जरा सा एक कमजोर जीवन जिसने कुछ छोटी से टहनी को ऊपर लाया। यह लूथर थे। यह निश्चित रूप से जमीन के अंदर गये हुए दाने के जैसा नहीं दिखता है, लेकिन जीवन अब बाहर आ रहा है।

123 फिर यह आगे एक डंठल पर चला गया। फिर क्या हुआ? जॉन वेस्ली के दिनों में, उसने क्या किया जब उसने पवित्रीकरण को बाहर लाया? वह वचन के साथ बना रहा। और इसने क्या किया? लूथरन एक संगठना हो गये थे और एक संगठन को बनाया, इसलिए कुछ तो घटित होने का समय आ गया था। अब सर्वोतम रचना को बनाया जा रहा है। उसने क्या किया? उसने क्या किया? उसने क्या किया? उसने क्या किया? उसने क्या फुंदनी के नाई बाहर आया। ये क्या है? बीज जीवन में आ रहा है, अब बढ़ रहा है।

124 अब, डंठल न तो बीज जैसा दिखता है, न ही लटकन या फुंदनी।

125 अब, पेंटीकोस्टल भाइयों, सारे राष्ट्र भर में, मैं चाहता हूं कि आप सुनो, मेरे भाई। यदि यह आखिरी संदेश होता है जिसका मैं कभी प्रचार करूंगा, तो यह मेरी सर्वोतम रचना है। क्या आपने ध्यान दिया कि जब गेहूँ... गेहूँ का दाना जो भूमि में गिरता है, जब ये वापस उसके—उसके दाने में फिर से बनना आरंभ करता है?

126 प्रकृति को देखो। प्रकृति, वास्तव में, परमेश्वर है। परमेश्वर प्रकृति में कार्य करता है, ये ही सब वो कर सकता है। लेकिन पेंटीकोस्टल की बेदारी से, जैसा कि वे सोचते हैं, बीज था; ये ऐसा नहीं था। अब देखो। लेकिन बीज की तरह ही कुछ तो बाहर आता है। अब देखें कि यीशु ने संत मत्ती 24:24 में क्या कहा, कि, "अंत के दिनों में दोनों आत्माएं इतनी नजदीक होंगी कि यदि संभव हो तो चुने हुओ को भी भरमा दें।"

127 अब, वो डंठल बीज के जैसा जरा भी नहीं दिखता; न ही फुंदनी बीज की तरह दिखती है। लेकिन अभी ध्यान दें, ना ही लूथर के दिनों में, लेकिन अंतिम दिन में।

128 पहली चीज। यहां पर गेहूं के किसान बैठे हुए हैं। गेहूँ के बीज पर जो पहली चीज जो निकलती है, आप लगभग सोचेंगे कि यह एक बीज है, लेकिन (यह क्या है?) यह भूसी है। यह एक छोटी सी बाहरी चीज को बनाता है, जैसे, तािक बीज को पकड़ कर रखे। यह एक भूसी को तैयार करता है। लेकिन भूसी बीज नहीं है, ये लटकन या डंठल से अधिक कुछ और नहीं। तब यह केवल जीवन को आगे ले जाने वाले है, उस गेहूं का दाने का। संत यूहन्ना 12, आप देखते हैं, यीशु बोल रहा हैं।

129 गेहूँ, लटकन या फुंदनी के बाद (वेस्ली के बाद), भूसी को आगे लाता है, जो किसी भी और चीज़ से दाने की तरह कुछ अधिक दिखाई देता है। भूसी अधिकतर दाने की तरह होती है। यह हर समय दाने की तरह अधिक होते जा रहा है, वो एक जो जमीन के अंदर गया था। और जब यह आगे आता है, डंठल, इसमें जीवन होता है, लेकिन यह निश्चित है कि ये दाना नहीं है। लटकन आगे आती है, वो पराग, यह अभी भी दाना नहीं है। और उसके बाद ये भूसी को आगे लाता है, और ये बस गेहूँ के आकार का ही होता है, बिलकुल गेहूँ के दाने के जैसा, लेकिन फिर भी ये गेहूं नहीं है। बिल्कुल उसी आकार में होता है, पूरी तरह से।

¹³⁰ पेंटीकोस्टल बिल्कुल वैसे ही बाहर आये जैसे गेहूँ आता है। हर एक चीज दूसरे में से बाहर आती है, दूसरे में से बाहर आती है, लेकिन वे केवल एक आगे ले जाने वाले हैं। वे संप्रदाय में चले जाते हैं। और यही है जो पेंटीकोस्ट ने किया, संप्रदाय में चले गये। और पेंटीकोस्ट ने क्या किया जब वो बिल्कुल दाने की तरह बाहर आया? यह सीधे वापस चले गये, जैसे प्रकाशितवाक्य 17 में, साथी संप्रदायों में से एक में। यह बिल्कुल ऐसा है। यही है जो यीशु ने कहा।

131 अब देखो। सुसमाचार लूथर के जरिये से बाहर आया, वेस्ली के जरिये से, पेंटीकोस्ट के अंदर आता है, और अंतिम दिनों में यदि संभव हुआ तो यह बिल्कुल चुने हुए लोगों को भी भरमा देगा। वे चुने हुए! ओह, पेंटीकोस्टल भाइयों, क्या आप नहीं देख सकते?

132 गेहूँ अपनी पहली शुरुआत में बस बीज की तरह ही होता है, जब ये बीज की तरह तैयार होने लगता है, लेकिन यह भूसी होता है। ये संप्रदाय हुआ है, ठीक उसी चीज को किया वही चीज जैसा उन्होंने यहाँ लूथर में किया था। प्रकाशितवाक्य 17 में, यह कलीसियाओं के विषय, ये उसी चीज को साबित करता है।

133 अब, बीज का दाना, मूल रूप में, निसीया में गिरा, क्योंकि यह पहली संप्रदाय थी।

134 यहाँ ध्यान दें, जो जीवन डंठल, लटकन में था, ये सब अब बीज में आकर समाप्त होता है। मूल बीज से जो जीवन बाहर आता है, वह विभिन्न प्रक्रियाओं में से होकर ऊपर आता है (तीन अलग–अलग प्रक्रियाओं में से), और फिर घुमकर अपनी मूल स्थिति में वापस आ जाता है। हाल्लेलुय्या!

ओह, प्रभु! मैं दुनिया का सबसे खुश व्यक्ति हूं, कि परमेश्वर ने मुझे इसे दिखाया है। देखो कि वचन और ये (प्रकृति) एक साथ कैसे सिद्ध कार्य करते हैं।

135 बिल्कुल जैसे हम पुनरुत्थान को साबित करते हैं; उदय होना, सूर्य का; सूर्य का डुबना; फिर से उदय होना।

पत्ती पेड़ से बाहर निकल रही है, जीवन का रस जड़ के अंदर नीचे की ओर जाता है; और वापस ऊपर आता है, और—और पत्ता उसके साथ फिर से वापस आ जाता है। यह जमीन पर गिरता है; पेड़ का जीवन उसे ठीक वापस चूस लेता है, कैल्शियम और पोटाश, और इसे सीधे फिर से दूसरे या नए पत्ते पर लाता है।

देखिए, सारी प्रकृति, हर एक चीज ठीक परमेश्वर के वचन के साथ— साथ काम करती है। और यहाँ है ये, बिल्कुल, सिद्ध रूप से इन कलीसिया के युगों में। यही कारण है कि पवित्र आत्मा ने नीचे उतर आया और उन चीजों को खींच लिया, और जैसा उसके पास है, वैसा ही उन्हें हमारे लिये बनाया। ठीक यही है।

136 ध्यान दें, यहाँ, वो जीवन जो भूसी में था। वो डंठल में, और लटकन में, भूसी में, ये सब बीज में एकत्र होता हैं। और जो जीवन डंठल में था, निकल गया, वो एक, उस दूसरे को बनाने के लिए निकल गया। धर्मीकरण ने, पिवत्रीकरण के लिए एक रास्ता बनाया; पिवत्रीकरण ने, पिवत्र आत्मा के बपितस्में के लिए एक रास्ता बनाया; पिवत्र आत्मा के बपितस्मा ने स्वयं पिवत्र आत्मा के लिए रास्ता बनाया तािक सीधाआंगे सिद्धता में आये, फिर से वचन पर वापस आए, तािक स्वयं को प्रकट करें।

137 लेकिन, जो संप्रदाय हो गया, मर जाता है। जैसे जीवन, लूथर में था, वेस्ली को बनाने के लिए चला गया; और—और वेस्ली से, ये पेंटीकोस्ट के लिए चला गया; और, पेंटीकोस्ट से, मूल बीज को बनाने के लिए। पेंटीकोस्ट के लिए, जो उस समय वेस्ली में से बाहर आता है, उस समय तक। वेस्ली में से पेंटीकोस्ट के बाहर आने का कारण, क्योंकि यह कोई संप्रदाय नहीं था, पेंटीकोस्ट बाहर निकला था। उसके बाद पेंटीकोस्ट संप्रदाय के अंदर चला गया, और (उसने क्या किया?) यह भूसी में बदल गया। यह असली चीज की तरह दिख रहा था।

138 और, कोई भी, कितनों ने कभी बीज को देखा है गेहूँ का एक—एक बीज जब बढ़ने लगता है? पहली छोटी सी चीज क्या है? यह बिल्कुल बीज की तरह होती है, लेकिन यह भूसी है।

तीन चरणों को देखा? डंठल; लटकन, या पराग; उसके बाद भूसी; और फिर, भूसी में से, मूल बीज बाहर आता है। देखा? ना ही बीज; यह तो बीज का जीवन था, इसमें से होकर विकसित हो रहा था, बीज में आने के लिए। आमीन, आमीन! आप इसे देख रहे हे? यह क्या है? एक पुनरुत्थान, एक सर्वोतम रचना पर फिर से वापस आ रहा है, जैसे कि वो एक जो अंदर गया था।

139 पेंटीकोस्ट वेस्ली में से बाहर आया, क्योंकि वेस्ली एक संगठन था। पेंटीकोस्ट, बाहर आया, ना कि कोई संगठन की नाई, और फिर उस एक में परिवर्तन हो गया। इसे होना था, ताकि भूसी को बनाये। उस पर जीवन का सच्चा वचन था, तब इन चरणों में से होते हुए मूल दाना उसके मार्ग पर था। डंठल में से होते हुए, फिर पराग में; पराग से, भूसी के अंदर; और भूसी से, इसने बीज को बनाया।

140 नहीं, डंठल, फुन्दनी, भूसी, जीवित, उन्होंने उत्पन्न किया (उनके प्रारंभिक बेदारी में) बीज के जीवन के कुछ भाग को पकड कर रखने वाला; लेकिन, जब वे संगठित हो गये, तो जीवन इसमें से बाहर आगे निकल गया। यह पूरे इतिहास से साबित होता है। किसी भी संगठना ने संगठित होने के बाद कभी कुछ भी नहीं किया। यह मर चुकी थी। यह सही बात है।

141 देखो, जीवन अभी भी आगे यात्रा कर रहा है। यह आगे बढ़ रहा है।

142 ध्यान दें, उन्होंने जो किया है, इन सब ने जो किया है, इतिहास से साबित हुआ है कलीसिया बिल्कुल ठीक उसी तरह से आयी है, उसके लिए फिर से कभी भी उपयोगी नहीं होगी। संगठना की कोई आवश्यकता नहीं है। पूरे इतिहास में, ऐसा कभी नहीं हुआ है एक कलीसिया इसके संगठन होने के बाद, इसके मरने के आलावा कुछ नहीं हुआ है। और संगठन मर गयी और फिर कभी भी ऊपर नहीं आई। क्या आप इसे नहीं देख सकते? मनुष्य जो अंधे है, अपनी आँखें खोले! प्रकृति और वचन एक साथ संयोजन कर रहे हैं और ठीक यहाँ साबित कर रहे हैं कि यही सत्य है, कि ये सचाई है। वो जीवन डंठल को छोड़ देता है, जिससे कि लटकन को बनाये; लटकन से,

यह भूसी को बनाता है; और भूसी से, यह फिर से मूल के अंदर चला जाता है। ध्यान दें, ये उसके लिए फिर से कभी भी उपयोग का नहीं होगा।

143 यह जीवन कितना ध्यान देने योग्य है, ये पेड़ की तुलना में गेहूँ के दाने में उसकी यात्रा में अधिक ध्यान देने योग्य है। परमेश्वर ने अपने लोगों को एक पेड़ की तरह बुलाया; देखो, पेड़ में का जीवन नीचे चला जाता है, और फिर से ऊपर आता है; नीचे जाता है और वापस ऊपर आता है; देखो, ये नीचे जाता है और वापस ऊपर आता है। लेकिन, गेहूँ के दाने में, यह मूल डंठल से ऊपर चला जाता है... डंठल, लटकन और भूसी में से होते हुए; और वो चीज जिस में से होकर गुजरा, वह मर जाती है, इसलिए वह फिर से इसमें से होते हुए वापस नहीं आ सकती है। यह क्या है? इसका अब कोई उपयोग नहीं है। यह उसकी सिद्धता की ओर आगे बढता है।

आमीन! क्या आप नहीं देखते कि उसने कभी भी किसी संगठन का उपयोग क्यों नहीं किया? वो फिर से इसमें वापस नहीं आ सकता। यह मर चुकी है। लेकिन वो जीवन एक से दूसरे में से होकर आगे जाता है। देखिए, वे मत सिद्धांत को रखते हैं, और इसमें डालते हैं। "जो कोई एक शब्द को जोड़े, या एक शब्द को निकाले," देखो, वह इसमें से रोक दिया है। इसे अवश्य ही आगे यात्रा करने वाला जीवन बीज होना है।

144 मैं इसे अब एक दृष्टान्त में उपयोग कर रहा हूँ, दुल्हन का, जो सर्वोतम रचना आगे आ रही है। जब सर्वोतम रचना गिरी, वहाँ एक सर्वोतम रचना ऊपर उठ रही है। सर्वोतम रचना गिरी पेंट – ... निसिया में, रोम, निसिया में। निसिया, रोम के बाद, वह एक प्रक्रिया में से होकर आई, लेकिन वह फिर से उस सर्वोतम रचना पर वापस आ रही है, सिद्ध होकर, क्योंकि वो उस वचन का एक भाग है जो उसके द्वारा बोला गया था। उसके पास "बिना दाग या एक बिना झुर्री की कलीसिया" होगी। ये किसी भी तरह से किसी भी तरह के संगठन या संप्रदाय से जुड़ी हुई नहीं होगी, उस शापित चीज से। यह उन चीजों से होकर गुजरी है, लेकिन यह कभी भी वहां नहीं होगी।

145 ध्यान दें, बीज ऊपर आ रहा है, वो जीवन ऊपर आ रहा है, ना ही वापस पीछे जा रहा है। इसके बाद कोई और पुनरुत्थान नहीं होगा। जीवन ऊपर आ रहा है, उसके सिद्धता की ओर जाने के लिए, एक पुनरुत्थान।

ध्यान दे, भूसी ने बाहर लाया उस—उस... ध्यान दें, भूसी मूल बीज को अपने में से बाहर लाती है। प्रकाशितवाक्य के तीसरे अध्याय में, हम इसे पाते हैं।

146 अब याद रखें, बाईबल में, सात कलीसिया के युगों में से किसी अन्य कलीसिया से उसे बाहर नहीं किया गया था। कितने लोगों को ये याद हैं? वह कुछ और बनाने के लिए, कलीसिया युग में से होकर आगे गया। लेकिन, यही है। वहाँ कुछ भी और नहीं है। लेकिन वो—वो मूर्तिकार ने फिर से सिद्धता को वापस पा लिया है, वो वचन। देखा? पीछे मत जाओ। ये कितना अलग है। जी हाँ। ओह!

147 और तब ध्यान दें, जब भूसी आगे आती है, तो बिल्कुल दाने की तरह ही दिखती है। लेकिन जब दाने का जीवन भूसी को छोड़ने लगता है, तािक उसमें जाकर दाने (दुल्हन) को बनाये, भूसी खुल जाती है और दाने को बाहर निकाल देती है। क्या यह सही है? प्रकृति, ठीक यही है जो उसने किया।

148 प्रकाशितवाक्य 3 में—में, हम पाते हैं कि लौदीकिया कलीसिया युग ने उसे बाहर कर दिया। अब, देखिए, ऐसा नहीं हुआ, पहले के अन्य युगों में ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि अभी कुछ और भी बनना बाकी था। ये तो बस वहां से होकर गया और दूसरे के अंदर चलता गया। मैंने प्रारंभ से आपको बताया है, अब कोई और संप्रदाय नहीं आ रही है। हम अंत में हैं। और उन्होंने उसे बाहर कर दिया है क्योंकि (क्यों?) वो—वो—वो फिर से वचन है। वो उस एक के समान है जो वहाँ गिर गया। वो वही सिद्धांत है जो आरंभ से आगे आयी।

149 और जब बीज वचन आगे बढ़ना आरंभ होता है, तो भूसी इसे अपने आप में से आगे रखती है। जीवन अन्य सभी को छोड़ देता है, उसके पीछे जाने के लिए। यही वो सच्चे विश्वासी हैं, जीवन जहाँ भी जाता है, वे जीवन के पीछे-पीछे जाते हैं।

150 जैसे इस्राएल में, जो एक सिद्ध नमूना है, यदि हमारे पास समय होता; मेरे पास बस कुछ ही मिनट बचे हैं। लेकिन एक सिद्ध नमूने में, आरंभ में, जहां भी अग्नि का खंभा गया, वह जीवन था। परमेश्वर वह प्रकाश था। और मैं परवाह नहीं करता कि यह आधी रात थी, या चाहे वे एक अच्छे चुने हुए

स्थान पर थे; जब वह आग का खंभा आगे बढ़ता, तो तुरही बज उठती और इस्राएल उसके साथ–साथ आगे बढता।

हाल्लेलुय्या! और जब तुरही बज उठी, तो मार्टिन लूथर उसके साथ आगे बढ़ गया। और उसने संगठित कर दिया, मार डाला... उसने खुद नहीं किया; उसके बाद के मनुष्यों ने किया। और फिर परमेश्वर ने उसमें से जीवन लिया, उसे आगे ले आया, उसे कब्र में रख दिया।

151 फिर वेस्ली बाहर आया। उसने उस बड़े संगठन को देखा, सो उसने पिवत्रीकरण की एक तुरही को फूंका, और ज्यादा वचन। देखा? जब उसने किया, तो वे आगे बाहर निकल गए, सीधे बाहर—लूथर से सीधे बाहर, सीधे मेथोडिस्ट में।

152 और जब पेंटीकोस्ट ने इसे देखा, तो उन्होंने एक—एक तुरही को फूंका, यह दानों के लौटाने का समय है। देखा उन्होंने क्या किया? उन्होंने तुरही को फूंका, और वे बाहर आ गए। फिर वे संगठन हो गए।

लेकिन, याद रखना, भूसी के बाद, ये तीन चरण है जिसके बारे में हम जानते हैं, वहां दाने के अलावा और कुछ नहीं बचा है। हे परमेश्वर! और उसके बाद उस सब में से दाना बाहर निकलता है। आमीन और आमीन! बीज वचन स्वयं में बनने लगते हैं, जीवन उसी से बाहर आने लगता है... अब ध्यान दें, यदि दूल्हा, शुरुआत, पहले, दूल्हा... यह दुल्हन है जो आगे आ रही है।

153 याद रखें, कलीसिया पेंटीकोस्ट से आरंभ होती है, और यह निसीया में गिरती है। ये अंकुरित हुई, ना ही वास्तविक दाने की तरह, नहीं; यह वहाँ उस जीवन में का कुछ ही था, लेकिन यह एक संगठन को बनाने के लिए अंकुरित हुआ। और उसने उस संगठन में से होते हुए खींच लिया। और फिर इसने क्या किया? फिर ये चला गयी, उस संगठन से, ये एक और संगठन के अंदर चला गया, वचन के एक और चरण के अंदर चला गया; धर्मिकरण, पवित्रीकरण, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा। समझे? और जब यह इस डंठल और प्रक्रिया में से से होकर गुज़रा, यह आगे और अधिक आता रहा।

154 याद रखें, छोटा सा पराग अधिक होता है, लटकन, डंठल की तुलना में बीज की तरह अधिक होता है। और भूसी लटकन की तुलना में बीज की तरह अधिक दिखती है। लेकिन बीज स्वयं उससे और आगे है। देखा? इसे बस ढोने के लिए उपयोग किया गया, ताकि खुद को ले आगे ले जाये।

155 ध्यान दे, दुल्हन। यदि दुल्हन, आदि में, वचन था, मेरा मतलब दूल्हा; और फिर यदि दुल्हन को दूल्हे में से लिया गया है, तो इसे अवश्य ही वचन होना है। ध्यान दें, दुल्हन को होना ही है।

156 क्यों, क्यों दुल्हे को अवश्य ही प्रकट हुआ वचन, स्पष्ट किया हुआ होना है? ऐसा इसलिए है क्योंकि दूल्हा और दुल्हन एक हैं। दुल्हन तो उसका केवल एक प्रहार करके निकाला हुआ टुकड़ा है। वहां सर्वोतम रचना है। इसे प्रहार किया गया था। कहे...

¹⁵⁷ माइकल एंजेलो फिर से इसे पुन: उत्पन्न नहीं कर सका। वह इसे वापस नहीं रख सका।

लेकिन परमेश्वर ऐसा करने जा रहा है। वह इस छोटी सी दुल्हन को लाने जा रहा है, जिसे प्रहार किया गया है, सीधे वापस मूल वचन के बगल पर। और वहाँ है वो, वहां वो सर्वोत्तम रचना है, अदन की वाटिका में वापस फिर से परिवार है।

158 यह दुल्हन ऐसा किस तरह से करेगी? यह गेहूं इसे कैसे करने जा रहा है? मलाकी 4 ने कहा, अंत के दिनों में, इसे फिर से लौटाया जाएगा, (क्या?) शुरुआत की तरह वापस लौटाया जाएगा; इसे वापस ले लेगा! "में वापस लौटाऊंगा," प्रभु यों कहता हैं, "इन सभी वर्षों में गाजाम टिड्डी, और अर्बे टिड्डी, और इन दूसरी चीजो ने खा लिया है। मैं फिर से लौटाऊंगा।" मलाकी 4 ने कहा, "वो लोगों के ह्रदय को लौटायेगा, और लोगों का विश्वास, वापस फिर से मूल पिता की ओर फेरेगा।" देखा? हम इसे ठीक हमारे सामने देखते हैं, कलीसिया। हम कहाँ पर हैं?

159 अब, कुछ ही मिनटों में बंद करते हुए। मैं चाहता हूं कि आप अभी — अभी घटित हुई किसी बात को नजदीक से देखें।

मलाकी 4 को वापस लाना है, मूल में वापस लाना है।

160 उसे कलीसिया से, कलीसिया के शरीर से प्रहार किया गया है; उसी उद्देश्य के लिए, उसके स्वामी के साथ प्रहार किया गया है। वो वचन है। ठीक वैसे ही जैसे यूसुफ को अपने भाइयों से मारा गया था, क्योंकि वो वचन था। और यीशु अपने भाइयों से मारा गया, क्योंकि वो वचन था।

कलीसिया को मारा गया है... दुल्हन को कलीसिया से मारा गया है, क्योंकि वो वचन है। वहां फिर से आपके चरण हैं; एक, दो, तीन, देखो, बिलकुल ठीक वैसे ही।

161 वचन, जीवित और कार्य में है, बाईबल दुल्हन, ना ही कोई मनुष्य की बनाई दुल्हन; बाईबल की दुल्हन, परमेश्वर की मार खाई हुई और पीड़ित। "कोई सुंदरता नहीं हमें उसकी इच्छा रखते, लेकिन फिर भी परमेश्वर का मारा-कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा।" यह सही है। वह अकेली खड़ी रहती है। प्रकाशितवाक्य 3 के अनुसार, वो सभी संप्रदायों से मार खाई हुई थी। वह उस लौदीकिया कलीसिया युग से मार खायी हुई है जिसमें वो पली-बढ़ी थी। समझे? यह कलीसिया इस लौदीकिया कलीसिया युग में पली-बढ़ी थी; यही वो भूसी है। लेकिन यदि वे दूसरे...

162 क्या आप पेंटीकोस्टल लोग नहीं देख सकते हैं, क्या यह दूसरे भूसी थे और मर गये? यदि उस दूसरे (डंठल) को मरना था, यदि लटकन को मरना था, वैसे ही भूसी को अवश्य ही मरना है; संगठनाओ के तीन चरण।

¹⁶³ और याद रखना, आपने कहा, "तो ठीक है, अब, वहां बहुत सी लटकन लटक रही थी। वहां बहुत से *यह* है।" जी हाँ। वहां मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, चर्च ऑफ क्राइस्ट थे, ये सब छोटी–छोटी चीज़ें जो उस पर से गिरी थीं, पत्तियाँ और बाकी की सारी चीज़ें उस पर लटकी हुई थीं, लेकिन मूल वे सुधारक थे, अब, देखना।

164 दूल्हे की तरह वो अकेली खडी है, "लोगो के द्वारा ठुकराई गई, तिरस्कृत और कलीसियाओं से ठुकराई गई।" दुल्हन उसी तरह से खड़ी रहती है। यह क्या है? यह उसकी सर्वोतम रचना है, देखिए, यह वो वचन है जिसमें से होकर वह कार्य कर सकता है, प्रकट बना सकता है। ठुकराई जाती है!

165 तो, डंठल, लटकन, और भूसी, कभी भी बीज नहीं बनते, नहीं, लेकिन हमेशा और अधिक बीज की तरह बनते जाते हैं।

166 अब कटनी के समय, बीज अपने मूल जीवन में वापस आ गया है, वापस बाईबल की ओर। मलाकी 4 ने कहा कि इसे इस तरह से लाया जाएगा। ओह, ओह, प्रभु! सब होना ही है! ऐसा होने के लिए, इसमें संपूर्ण वचन होना चाहिए। क्या यह सही है?

¹⁶⁷ अब उसने क्या कहा, प्रकाशितवाक्य 10 में, जो बात जगह लेगी? क्यों ट्युसान की यात्रा की गयी थी? कलीसिया को चालू करने के लिए। "संदेशवाहक के दिनों में, सातवें दूत के, सातवें दूत का सन्देश, परमेश्वर का पूरा वचन प्रकट किया जाएगा। मोहर, जो कुछ सारा डंठल ने छोड़ा है, क्यों और इसके बारे में सब कुछ, इस समय में प्रकट किया जाएगा।"

क्या वचन ने ऐसा ही कहा है? फिर, हम इसे देखते हैं। फिर हम कहाँ पर हैं, देखा, हम कहाँ हैं? वहां केवल एक ही चीज है, कटनी यहाँ पर है। वह पूरी तरह पकी हुई है। वह अब आगमन के लिए तैयार है। ध्यान दे।

168 नहीं, ऐसा कभी नहीं होगा। कटनी के समय, बीज अपनी मूल स्थिति में वापस आ जाता है, और बीज होने के लिए उसके पास अवश्य ही सारा वचन होना चाहिए। अब, आपके पास आधा बीज नहीं हो सकता; यह ऊपर नहीं आएगा। समझे? इसे पूरा बीज होना है। यह प्रकट नहीं होगा... कहते है, "मैं पिवत्र आत्मा के बपितस्मा में विश्वास करता हूँ। हाल्लेलुय्या! मैं अन्य जुबान बोलने में विश्वास करता हूं।" यह बस बीज का एक भाग है, उह हुंह, लेकिन अब इसमें जोड़ा गया है। हाल्लेलुय्या! देखा? जीवन, ना ही वे दान वरदान; दान वरदानों का जीवन। देखा, देखा मेरा क्या मतलब है? हम अंत समय पर हैं, भाइयों।

169 डंठल, लटकन, भूसी, अब मर चुकी है और सूख गयी है। इसके लिए केवल एक ही बात होनी है, उसे जलाने के लिए विश्व कलीसिया परिषद में इकट्ठा होना है।

170 वचन देहधारी हुआ है, ठीक वैसे ही जैसे उसने लूका 17, मलाकी 4, और सभी में प्रतिज्ञा की थी, देखिए, यह सही है, प्रकाशितवाक्य में।

171 सारा सच्चा जीवन जो डंठल, लटकन और भूसी में था, अब बीज में इकट्ठा हो रहा है, पुनरुत्थान के लिए तैयार, कटनी के लिए तैयार। अल्फा ओमेगा बन गया है। आमीन। पहला अंतिम में आता है, और अंतिम पहला है। जो बीज जमीन के अंदर गया, वह एक प्रक्रिया में से होकर आया है और फिर से बीज बन गया है।

वह बीज जो अदन की वाटिका में गिरा, और वहां मर गया, वापस आ गया। उस असिद्ध बीज से जो वहाँ पर मर गया, सिद्ध बीज के पास वापस आ गया, वो दूसरा आदम।

172 पहली हव्वा जो गिर गई, और दूसरे सुधारक में उपयोग किया गया... दूसरे आगमन में, जैसे एक बालक को आगे लाते हुए, अब फिर से सची दुल्हन, वो बीज बन चूका है, सीधे फिर से वापस मूल वचन के साथ।

अल्फा और ओमेगा एक ही है। "अल-..." उसने कहा, "मैं अल्फा और ओमेगा हूँ," उसने बीच में कभी कुछ भी नहीं कहा। उंह-हुंह। "मैं अल्फा और ओमेगा हूं, पहला और अंतिम।" जी हां, श्रीमान।

¹⁷³ पहली सेवकाई और आखिरी सेवकाई एक ही है। पहला संदेश और (दूसरा) अंतिम संदेश एक ही बात है। "मैं हूँ, मैं अल्फा में था; मैं ओमेगा में हूँ।" "एक दिन ऐसा होगा जिसे न दिन कहा जाएगा और न ही रात, लेकिन संध्या के समय उजियाला होगा।" देखो, अल्फा और ओमेगा, यह पहला और अंतिम बन गया है। ओह, मेरे, भाइयों, हम उस पर घंटों बने रह सकते है।

174 एक परिवार की महान सर्वोतम रचना, दूसरा आदम और दूसरी हव्वा, अब वाटिका के लिए तैयार, सहस्राब्दी, आमीन, वापस धरती पर। हाल्लेलुय्या! उस महान मूर्तिकार ने उन्हें वहां पर रखकर ऐसे ही नहीं छोड़ दिया। उसने समय को लिया, जैसा कि उसने लाखों वर्षों में से होते हुए किया, उस पहले सिद्ध जोड़े को सांचे में ढाल रहा था; और वे गिर गए। अब हजारों वर्ष हो गए हैं, उसने फिर से सांचे में ढाला है, और अब यहाँ पर वे तैयार हैं।

¹⁷⁵ सर्वोतम रचना आयी और उस पर प्रहार किया गया था; उसकी बगल से सहायक बाहर आयी।

और उसे उसी प्रक्रिया में से होकर ऊपर लाया गया है। अब यहाँ वह फिर से वापस आ गई है; सारे उसी स्वभाव के साथ, बाईबल और अन्य हर एक चीज के साथ, दिखाते हुए हम यहाँ हैं।

> राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जाग रहा है, बाईबल ने जिन चिन्हों को पहले से बताया था; अन्यजातियों के दिन गिने हुए है, (इस पत्थर से निकले इस झुंड को देखों जो हमारे पास है।) सताए बोझ से दबे हुए;

"ओह, ओ बिखरे हुओ, अपनो में लौट आओ।"

यह सही है। बेहतर होगा कि आप वहां जल्दी से आ जाएं, यदि आप जा रहे हैं।

मैं लगभग पाँच, दस मिनट में बंद करने जा रहा हूँ।

176 परिवार की महान सर्वोतम रचना पर ध्यान दें। पित और पत्नी वास्तव में एक परिवार नहीं हो सकते जब तक कि वे एक न हों। उन्हें एक होना होगा। यदि वे नहीं हैं, तो वे एक अच्छा परिवार नहीं हैं; पत्नी एक ओर खींचती है, और पित दूसरी ओर। यह एक बहुत ही भयंकर परिवार को बनायेगा। लेकिन करार नामे में, एक दूसरे से प्रेम के साथ होते है, यही एक परिवार होता है। और अब यह परमेश्वर की सर्वोतम रचना था, और अब यहाँ पर सारा सच्चा परिवार उसे चित्रित करता है। देखा?

और अब सर्वोतम रचना परिवार फिर से वापस आ गया है, मसीह और उसकी दुल्हन, आने के लिए तैयार। दूसरा आदम, दूसरी हव्वा, अब उनके घर वापस लौटने के लिए तैयार है। और पूरी तस्वीर छुटकारे की है। जहां से ये था, उसे वापस ला रहा है, देखो, बिल्कुल ठीक-ठीक इसे फिर से वापस ला रहा है। उसके बाद...

177 एक दिन, क्रिश्चियन बिजनेस मेन के यहाँ खड़ा हुआ था। आप में से बहुत से लोग, मुझे लगता है, वहाँ पर थे। जब मैंने सुना कि लूथरन याजक, या प्रचारक, या जो होना चाहिए, वहाँ खड़े होते है और वह मुर्खतापूर्ण बात को कहते है, और उस बात का मज़ाक उड़ाते हैं जिस पर हम विश्वास करते हैं। और उन फुल गोस्पल बिसनेसमेंस के पास वहां ऐसे व्यक्ति है, और ऐसा कहते हैं। वो अपने कॉलर को घुमाये हुए होता है। उनमें से बहुत से लोग अब ऐसा करते हैं। और उसने कहा, "अब लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं अपने कॉलर को क्यों घुमाता हूं, कहा, 'वे भला आपको एक कैथोलिक याजक कैसे कह सकते हैं।" कहा, "कोई अंतर नहीं है, और नहीं होना चाहिए।" उसने बोला, "हम सब परमेश्वर की संतान हैं।" उसने कहा, "मैं एक कैथोलिक याजक को जानता हूं जो सर्वव्यापी है, देखो, जो हर जगह उपस्थित रह सकता है।"

178 अब तुम सर्वज्ञानी हुए बिना सर्वव्यापी नहीं हो सकते। यहाँ तक परमेश्वर भी सर्वव्यापी नहीं है; परमेश्वर सर्वज्ञानी है। सर्वज्ञानी, जो कि उसे सर्वव्यापी बनाता है, वह सब कुछ जानता है। लेकिन, एक अवस्था में होने के लिए, उसे दूसरी एक अवस्था में होना है। सर्वज्ञानी—सर्वज्ञानी

की अवस्था में होने पर, वह सर्वव्यापी हो सकता है। कारण, वह सब कुछ जानता है, और इसे पहले से जानता था... वह जानता था, संसार का आरंभ होने से पहले, कितने पिस्सू, जूँ, कितने कीड़े, और कितनी बार वे अपनी आँखें झपकायेंगे, और इसके बारे में सब कुछ जानता है, देखो, क्योंकि वह सर्वव्यापी है। अनंत हुए बिना आप सर्वज्ञानी—सर्वज्ञानी नहीं हो सकते। और केवल एक चीज अनंत है; परमेश्वर। आमीन! और फिर हम...

179 यह क्या है? ये शैतान है, उन्हें सीधे उस घात करने के लिए ले जा रहा है। उनमें से हर एक उसमें जा रहा है, ठीक वैसा ही जैसा बाईबल ने कहा। और यहाँ है ये, देखो, पेंटीकोस्टल के बीच में आकर, और उन्हें ठीक सीधा वैसे ही खींचता है जैसे... क्या ही समय है!

180 ओह, उस गवाही के बाद, किसी ने मुझसे कहा... मैं——मैं... यह अच्छी बात थी कि मैंने बहुत कुछ नहीं कहा, क्योंकि शायद वे मुझे वहाँ जेल में डाल देते। लेकिन मैंने अभी सोचा, "वहां है ये।"

वे—वे लोग जिसे सिखाया गया है, जानता है। "बुद्धिमान उनके परमेश्वर को उस दिन पर जान लेंगे," इसे दानिय्येल में कहा। जी हां, श्रीमान। देखना, "बुद्धिमान उनके परमेश्वर को जान जायेंगे।" वे इन बातों के लिए देख रहे हैं।

¹⁸¹ लेकिन जब मैंने यह होते देखा, और पेंटीकोस्ट उसके साथ वहां खड़े होते है! यहाँ तक ओरल रॉबर्ट्स ने भी मुझे *इस* तरह से देखा। मैंने कहा, "ओह, प्रभु!" उह! लेकिन, एक शिक्षा के साथ वहाँ खड़े हुआ, चमकाया हुआ और इत्यादि, आप जानते हैं।

182 परमेश्वर उसके लोगों को इस तरह से नहीं चमकाता है। वह शिक्षा के साथ उसे नहीं चमकाता है। वो नम्रता में चमकाता है, अपने प्रकट वचन की सामर्थ में—में, उस दाने के आकार को दिखाते हुए जिसमें से ये निकला था।

183 अब, किसी ने मुझसे कहा, कहा, "भाई ब्रंहम," कहा, "एक बात है जो मैं आपके बारे में नहीं समझ सकता।"

मैंने कहा. "वो क्या है? "

184 वहाँ एक हॉल में खड़ा हुआ... मुझे लगता है, बहन डौच और वे, जब मैंने बिल से हाथ मिलाया, और वहाँ खड़ा हुआ था; और सब लोग कोने–

कोने, और लोगों का सारा जत्था घूमा। एक सेवक ने उसके रास्ते में आगे बढ़ा, कॉलर घूमा हुआ, उसने कहा, "ऐसा क्यों है कि आप हमेशा लोगों को परेशान करते हैं?" उसने बोला, "वे लोग विश्वास करते हैं कि आप परमेश्वर के सेवक हो, और आप उनके प्रति और कोमल और मधुर, और इत्यादि बनो।" कहा, "हर बार जब मैं आपको सुनता हूं उठ कर, आप महिलाओं को छोटे बाल रखने के विषय में चिल्लाते हैं, और छोटे कपडे पहनने के विषय में, और मेकअप को लगाने पर, और इन सारी अन्य चीजों पर; और लोगों को चिल्ला देते है, और उन्हें बताते है कि वे कितने उंडे और औपचारिक और बुरे हैं।" कहा, "आप ऐसा क्यों करते है?" कहा, "वे लोग आपसे प्रेम करते हैं। आप परमेश्वर के प्रेम करने वाले पुत्र कैसे हो सकते हैं और इस तरह के काम को करते हैं?"

मैंने सोचा, "प्रभु, मैं इस चतुर व्यक्ति को उत्तर देने पाऊं। देखा? तुम बस मुझे उसे उत्तर देने दीजिये, कहीं तो, यह उसे अपनी ही रस्सी पर लटका देगा।" जी हाँ।

मैंने कहा, "ठीक है," मैंने कहा, "महोदय, क्या आपने कभी संगीत के बड़े निर्माता के बारे में पढ़ा है... वो बीथोवेन नामक महान संगीतकार?"

उसने कहा, "ओह, ज़रूर, मैंने बीथोवेन के बारे में पढ़ा है।"

185 मैंने कहा, "उसने शायद रद्दी की टोकरी को रद्दी कागज से भर दिया होगा, लेकिन वो दुनिया को सर्वोतम रचना को देता था।" उसने कभी अपना मुंह नहीं खोला और ना एक और शब्द कहा। मैंने कहा, "जब वो प्रेरणा के नीचे अपने अध्ययन में बैठा होता था, तो वह कुछ तो लिखता था। वो अपने अध्ययन में जाता और प्रार्थना करता। ये सही नहीं होता था, तो वह इसे फाड़ देता और कूड़ेदान में फेंक देता। लेकिन जब वो उसमें से होकर गया, पूरी तरह प्रेरणा में, दुनिया के पास एक सर्वोतम रचना थी।"

ओह, वचन कैसे काटता है, लेकिन यह सर्वोतम रचना को उत्पन्न करता है; उह–हह, सारी भूसी और डंठल को निकाल कर दूर करता है। यह सर्वोतम रचना को सामने लाता है।

186 समय पर बाहर निकलने के लिए, मेरे पास सात मिनिट है आपको कुछ तो बताने के लिए जो परसों के दिन घटित हुआ। तीन जुलाई, मैं यहाँ पर बैठा हुआ था... यहाँ इस केंद्र पर, शॉपिंग केंद्र यहाँ से ठीक बाहर। मैं पिगले

में, रोम में, फ्रांस में रहा हूं, और मैं न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स में रहा हूं। लेकिन महिलाओं का सबसे गंदा झुंड मैंने अपने जीवन में जेफरसनविले, इंडियाना में देखा है। मैंने अपने जीवन में इतनी अधिक मलिनता और गंदगी कभी नहीं देखी जितनी मैं उन लोगों के बीच देखता हूं। मैं वहाँ तब तक बैठा रहा, जब तक मेरा ह्रदय लालायित नहीं हो गया, और प्रभु ने मुझे एक दर्शन दिया था।

अब मैं दर्शन को बताने जा रहा हूं। मैं नहीं जानता कि मैं इसका अनुवाद कर सकता हूं, लेकिन मैं—मैं पहली बार दर्शन को बताने जा रहा हूं।

187 मैं एक अवचेतना के अंदर चला गया। और, जब मैं चला गया, तो मेरे साथ कोई तो था। मैंने उस व्यक्ति को नहीं देखा। यह सिर्फ एक आवाज थी। और मैं—मैंने देखा। और जब मैंने—मैंने इस तरह देखा, उसने कहा, "पूर्व दर्शन के लिए दुल्हन आती दिखाई देगी।"

और मैंने देखा, मेरे पास आते हुए, और मैंने सबसे अधिक—अधिक साफ-सुथरे कपड़े पहने महिलाओं का सबसे आकर्षण झुंड देखा जिसे मैंने अपने जीवन में अब तक कभी देखा था। लेकिन उनमें से हर एक, ऐसा दिखाई दिया, अलग कपड़े पहने हुए थी। उन सभी के लंबे बाल थे। और उनकी लंबी आस्तीन और स्कर्ट, और इत्यादि थे। युवा महिलाएं, वे एक तरह की, मैं कहूंगा, लगभग बीस वर्ष की दिखती थी।

188 अब मेरे सामने बाईबल खुली है। देखा? मैं केवल वही कह सकता हूं जो मैंने देखा।

यदि आप कहते हैं, "आप किसकी ओर देख रहे हो?" मैं एक घड़ी की ओर देख रहा हूँ। "आप किस ओर देख रहे हो?" मैं लोगों के लिए देख रहा हूं, लोगों की ओर देख रहा हूं। "आप किस ओर देख रहे हो?" मैं बाईबल की ओर देख रहा हूँ। यही तो है। मैं सचाई को बता रहा हूं। यही है जो मैं देखता हूं। और मैं केवल वही कह सकता हूं जो मैंने देखा है। मैं नहीं—मैं नहीं जानता कि यह क्या है... इसके बारे में सब कुछ। मुझे बस आपको बताना है।

189 लेकिन, जब यह दुल्हन, वह सही देख रही थी... वह एक मुझसे बात कर रहा था, और मैं, एक साथ खडे थे। उसकी आँखें, वह मेरे जीवन में अब तक के सबसे साफ, सबसे प्यारे दिखने वाले लोग थे। ऐसा लगता है कि यह एक दर्जन या अधिक हो सकते थे, बस... मैं नहीं जानता कि

कितने पंक्तिबद्ध थे, लेकिन वहां बस उनके समूह में ही थे। और वो, मधुरता से, चाल-ढाल के साथ वहां से गुजरी। और उसकी आँखें ऊपर उठती हुई देख रही थीं, जब वह गुजर रही थी। ओह, वह सुंदर थी! मैंने उसकी ओर देखा, और जब वो वहां से गुजरी। उसने कहा, "अब हम पूर्व दर्शन करेंगे..." कहा, "यही वो दुल्हन है।"

"अब हम कलीसियाओं का पूर्व दर्शन करेंगे।" और वे आये। मैंने उन्हें आगे आते हुए देखा। और जब वे आगे आये, तो हर एक जन, ऐसा लगता है, हो गया। मैंने अपने जीवन में ऐसा गंदा झुण्ड कभी भी नहीं देखा।

और जब उसने कहा, "अगला झुण्ड," मैनें एक शोर को सुना। और इसने कहा, "अगला झुण्ड," कहा, "यहाँ अमेरिकी झुण्ड आता है।"

190 अब, मैं एक अमेरिकी हूं, लेकिन इसने—इसने मुझे दुखी कर दिया। मैं मिले जुले श्रोताओं में इतने बड़े—बड़े शब्दों को बोलने वाला व्यक्ति नहीं हूं, कि यह कह सकूं कि क्या बात जगह ले रही थी। मैं— मैं... और आपको लकीरों के बीच पढ़ना होगा। लेकिन जब वे महिलायें आ रही थीं, तो उनमें से जो प्रधान थी वो एक चुड़ेल थी। उसकी बड़ी लंबी नाक और बहुत ही बड़ा मुंह था। और वे सब यहां पर नीचे, नीचले प्रकार के किसी वस्त्र को पहने हुए थी; लेकिन ऊपर सिर्फ एक पट्टा था, वह, बस एक छोटा सा पट्टा, लगभग आधा इंच का पट्टा जो ऊपर की ओर सरका हुआ और इस तरह उनके चारों ओर लपेटा हुआ था। और प्रत्येक महिला के पास किसी न किसी पर...

191 आप में से बहुत से लोग, वर्षों पहले, याद होगा जब हम उस कागज़ को काटते थे, आप जानते हैं, अखबार के पन्ने को, और एक पुरानी कागज की उड़न पतंगे बनाते? कितने लोगों को ये याद हैं? आप जानते है। क्यों, मुझे लगता है कि वे इसका उपयोग त्योहार में करते हैं, आप जानते हैं। उस तरह नीचे की लटकता हुआ, झालरदार कागज, लेस लगा हुआ कागज।

उनके नीचे कुछ तो पकडे हुए होता था, इस तरह से, उनके नीचे कुछ तो पकडे हुए। यह सारा भाग खुला हुआ होता था।

और हर एक के बाल बहुत ही छोटे कटे हुए थे, और इस तरह से घुंघराले दिखने वाली चीजें, बहुत ही छोटे कटे हुए बाल; और मेकअप से भरा हुआ। पूरी तरह से कुछ और नहीं, सिवाये गली की वेश्याओं की तरह लग रही थी।

और वे इस कागज को लगाकर चल रही थी, और, अश्लीलता! अब, ये वही कागज था जो उनके सामने लटका हुआ था। लेकिन जब वे पूर्वप्रदर्शन के स्थान से होकर गुजरे, तो उनके पीछे... और यह देखकर जिस तरह से वे करते जा रही थी, उनके सबसे आगे और उनके पिछले के भाग में, और वे किस तरह से दिखावा कर रही थी!

मैंने कहा, "क्या यह कलीसिया है?"

192 और वहाँ वह चली गई। और वे यहाँ इस ट्विस्ट एंड रोल या आड़े—टेड़े गीतों को गा रही थी, आप समझते हैं, या आप जो भी इसे कहते हैं, आगे निकल जाती हैं, इसे गाती हैं और वहां से गुजरते हुए।

मैंने कहा, "क्या यह कलीसिया है?" और मैं वहीं खड़ा था, और मेरे मन में मैं रो रहा था।

और, यह चुड़ैल, मेरे विचार के अनुसार यह संसार में कुछ नहीं, लेकिन वो एक... वह कलीसियाओं का विश्व परिषद है, जो उन्हें सीधे उस रास्ते पर ले जाता है जहां वो जा रही थी। वे बाई ओर चली गयी, और उस गड़बड़ी में ओझल हो गयी; अभी भी इस संगीत को बजाती हैं और बहुत अजीब सी आवाजें करती हैं, और उसके शरीर को हिलाती हैं, एक तरफ से और फिर दूसरी तरफ से। और फिर, उसी तरह से, ऐसे ही चलती हुई आगे बढ़ती है।

193 और मैंने तब अपने सिर को झुकाने लगा, और उसने कहा, "रुकना, दुल्हन को अवश्य ही फिर से आना है।"

और मैंने देखा, और यहाँ वे फिर से आती हैं। और वे एक प्यारी सी दिखने वाली छोटी महिलाये वहां से होकर गुजरी। वे सब ठीक मेरी ओर देख रही थी, जब वे वहां से गुजर रही थी। और मैंने ध्यान दिया कि हर एक ने अलग ही कपड़े पहने हुए थे। और पीछे हर एक के लंबे बाल लटक रहे थे, और इसे इस प्रकार से चारो ओर घुमे हुए थे; हो सकता है जर्मनी हो या इसी तरह से कोई तो होगा। और मैंने उन्हें देखा।

और फिर जैसे ही वे जाने लगे, उनमें से दो या तीन, जो पीछे की ओर थी, एक तरह से पंक्ति से बाहर हट गयी, और मैं उन पर चिल्लाने जा रहा था। और वे फिर से पंक्ति पर वापस जाने की कोशिश कर रही थी। और मैंने उन्हें देखा, बस दर्शन धुंधला पड़ने गया और बदल गया, मुझमें से।

194 अब यहाँ पर उसका अनुवाद है। वो कारण... अब, याद रखना, मैंने अभी—अभी लिखा था... मैंने लिखना समाप्त नहीं किया था, मैंने अभी तक इन बातों को लिखकर नहीं रखा था। लेकिन आज सुबह प्रचार में, मैंने पकड लिया कि यह क्या था, ठीक मेरे उपदेश में। क्या आपने ध्यान दिया, कलीसिया सिर्फ दृश्य में आयी...

अब, यही सचाई है, मित्रों। स्वर्गीय पिता, जो वचन को लिखता है, जानता है कि मैं सचाई को बता रहा हूँ। समझे? मैं जानता हूं कि मैं केवल सचाई को कहता हूं।

और कुछ मिनट पहले तक ये नहीं जानते हुए, ऐसा दिखा, या बस अभी—अभी, देखो। क्या आपने ध्यान दिया? दुल्हन दो बार सामने दृश्य में आई; पहला बीज और दूसरा बीज, उनमें दोनों ही बिल्कुल एक ही हैं। और जो कारण था कि वे भिन्न थी... अलग—अलग भागो के कपड़े पहने हुए थी, वह सभी देशों से आएगी, ये दुल्हन को बनाएगी। हर एक के लंबे बाल थे, और कोई मेकअप नहीं था, और वास्तव में सुंदर लड़िकयां थीं। और वे मेरी ओर देख रही थी। यह सभी राष्ट्रों से निकलने वाली दुल्हन का प्रतिनिधित्व कर रही थी। समझे? उस, हर एक ने एक राष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया, जब वे पूरी तरह से वचन के साथ पंक्ति में कदम ताल कर रही थी। समझे?

195 और, फिर, मुझे उसे देखना होगा। यदि मैं नहीं देखता, तो वो वचन के साथ पंक्ति से बाहर कदम रखेगी, जब वो वहां से होकर गुजर रही है, यदि वो बाहर आती है। हो सकता है कि यह मेरा समय होगा, जब मैं समाप्त करता हूं, देखो, मैं जब पूरा कर लेता हूं, या ये जो भी है।

196 क्या? वे वापस जा रही थी। अपनी पूरी कोशिश कर रही थी, और वापस आ रही थी, बस पंक्ति में आने के लिए; कारण, वे—वे कहीं तो और देख रही थी, उस कलीसिया की ओर देख रही थी जो बस गड़बड़ी के अंदर चली गयी थी। लेकिन दो... पंक्ति के सामने वाली, वो कभी नहीं गयी। जो पीछे वाली थी, उनमें से सिर्फ दो या तीन, दाहिने हाथ की ओर थोड़ा सा पंक्ति से बाहर कदम रखी हुई थी, और ऐसा लग रहा था, जब वे जा रही थी तो पंक्ति में वापस आने की कोशिश कर रही थी। वे मेरे सामने से होकर गुजरी थी, ओह, यहाँ से उस दीवार तक, आगे जा चुकी थी। और मैं वहीं पर खड़ा हुआ था। और फिर मैंने देखा कि ये सब बाहर निकल रही है और छोड़ कर जा रही है।

लेकिन, आप ध्यान दें, कलीसिया केवल एक बार दृश्य में आई, प्रत्येक राष्ट्र, कलीसिया। लेकिन दुल्हन दो बार आती है। देखिए, ये क्या था? अब, इसे नहीं जानते हुए, लेकिन आज सुबह मेरे संदेश के साथ इसे देखें। इसे नहीं जानते हुए। देखा?

197 बीज निसीया में भूमि में गिरा। यह मूल बीज था। और वह इन संप्रदायों की प्रक्रिया के जिरये से आती है, जो केवल एक बार अस्तित्व में आती है। लेकिन दुल्हन अंत के दिनों में फिर से लौट कर आती है। "मैं वापस लौटाऊंगा।" देखिए, सर्वोतम रचना को लाया गया है। यही कारण है कि वह दृश्य में देखी गई, दूसरी बार पूर्व दर्शन में आई। पहली बार पूर्व दर्शन में आई थी, फिर दूसरी बार वो पूर्व दर्शन में आयी थी। और वो दूसरी बार सिद्ध रूप से थी, जैसे वह पहली बार थी। हे परमेश्वर, दया करें! तुरंत ही, तुरंत ही, तुरंत ही, उस जीवन, दाने में आ जाओ, बहुत ही जल्द! हूं-हुंह।

198 अन्य सारे कभी भी और नहीं दिखाई दिए। वे निकल गए, फिर कभी भी वापस नहीं आने के लिए।

लेकिन दुल्हन वापस आती है, क्योंकि वह अल्फा और ओमेगा थी। परमेश्वर, वो महान मूर्तिकार ने उसे एक सर्वोतम रचना बनाया है, क्योंकि यह उसकी पहली सर्वोतम रचना का एक टुकड़ा है। जैसे उसने अदन की वाटिका में बनाया, और उसमें से एक टुकड़ा लिया, और दूसरा टुकड़ा बनाया, और वह दूषित हो गया और गिर गया था, अब वह इस बार इसे फिर से बना रहा है। और उसने इस सर्वोतम रचना को आगे लाया, और मारा गया था, क्रम... वह भाग जिसे मारा गया था, उस सर्वोतम रचना को फिर से वापस लाने के लिए था।

199 तो, सर्वोतम रचना और परमेश्वर का पुत्र, सर्वोतम रचना और दुल्हन, और यह उसका एक टुकड़ा है, जो अवश्य ही वचन को पूरा करने वाला होना है। वचन पूरा हुआ है, और हम प्रभु के आगमन के लिए तैयार हैं।

200 हे जीवित परमेश्वर की कलीसिया, अपने ह्रदय को झुकाओ और अपने—अपने आप को परमेश्वर के सामने झुकाये। ये बातें सच हैं। मैं जानता हूँ कि ऐसा दिखाई देता है, ऐसी एक बड़ी चीज होगी जैसे कि यह राष्ट्रों में बहुत अधिक फैल जाएगी। ऐसा कभी भी नहीं था। वह उसके मार्ग को नहीं बदलता। केवल धन्यवादित बने रहे, कलीसिया, धन्यवादित बने

रहे कि आप वहीं है जहाँ आप आज हैं यदि आप मसीह में हैं। क्योंकि, आप देखते हैं, अब, और कब वह...

²⁰¹ याद रहे, वह सारा जीवन पुनरुत्थान के लिये, ठीक दाने के अंदर इकठ्ठा किया जाएगा, लेकिन डंठल को अवश्य ही जला दिया जाना है। इसका बाकी का; भूसी और सब कुछ अवश्य ही नष्ट किया जाना है, और ऐसा होगा। अपने उन संप्रदायों पर भरोसा न करें। आप वचन, जीवन, परमेश्वर और उसकी सर्वोत्तम रचना में बने रहें।

²⁰² फिर ये सह-शताब्दी में क्या है? मसीह और उसकी दुल्हन, वापस सह-शताब्दी के वाटिका में। आमीन!

> मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं उससे प्रेम करता हूँ क्योंकि उसने पहले मुझ से प्रेम किया और मेरे उद्धार को खरीद लिया उस कलवरी के वृक्ष पर।

²⁰³ यही है जहाँ उसे मारा गया था। "तौभी हम ने उसे परमेश्वर का मारा— कूटा, और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। लेकिन वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कारण कुचला गया।"

²⁰⁴ क्या आज सुबह यहाँ कोई है, जो आज सुबह उस दाने में नहीं है? और जब जीवन अब अपना आखिरी टुकड़ा भूसी में से खींच रहा है, क्योंकि भूसी सूख रही है। कितने लोग जानते हैं कि पेंटीकोस्टल कलीसिया सूख रही है? यह क्या है? जीवन इसे छोड़ रहा है। सच कहूं, ये निकल चुका है। और यदि वह दुल्हन पहले से ही पूर्व दर्शन में दिखी थी, मैं सोचता हूं कि तब क्या दुल्हन पहले से ही तैयार नहीं हुई है।

... प्रेम करता हूँ, मैं उसे प्रेम करता हूँ क्योंकि उसने पहले मुझ से प्रेम किया और मेरे उद्धार को खरीद लिया उस कलवरी के वृक्ष पर।

²⁰⁵ अब हमारे सिर को झुकाए हुए। क्या यहाँ कोई है जो याद करवाना चाहेगा? यदि आपको लगता है कि आप नहीं हैं...

मित्रों, यह बहुत ही साफ़ है। मेरे अपने जीवन में कभी कोई दर्शन नहीं आया था, जब तक उसके बाद कुछ घटित नहीं हुआ हो। मैं सचाई को

बता रहा हूं। इन सभी समयों में, यदि मैंने सच कहा है, तो परमेश्वर ने इसे साबित किया है। फिर, मैं इस बार भी सच बता रहा हूं।

206 मैं नहीं जानता कि हम किस दिन में जी रहे हैं, लेकिन मुझे पता है कि कुछ भी नहीं बचा है। ऐसा कोई राजनेता खड़ा नहीं हो सकता जो इस बात को साफ़ कर सके। राजनीति, देश ख़त्म हो चूका है। हे परमेश्वर! क्या आप, क्या आप इतना नीचे उतर सकते हैं कि—कि—कि इसे महसूस कर सके। राष्ट्र ख़त्म हो चूका है; राष्ट्र नहीं, बल्कि बहुत राष्ट्र। यह झुण्ड में से सबसे अच्छा है, और यह जा चूका है। फिर, यदि राष्ट्र ख़त्म हुए है, दुनिया खत्म हुई है। और कलीसियाये, मेरी राय में, उनके पास सबसे अच्छे पेंटीकोस्ट थे, लेकिन ये ख़त्म हुए है।

हे परमेश्वर, हम पर दया करें!

²⁰⁷ यदि आप उसे नहीं जानते हैं, तो कृपया जल्दी करें, जल्दी करें। यदि आप जीवन को महसूस करते हैं, तो बाहर निकले... अपने पाप से बाहर निकले, उस चीज़ से बाहर निकले जिसमें आप हो। दाने के पास जाओ, जल्दी से। तुम डंठल में, या भूसी में मर जाओगे।

प्रार्थना करें, जब हम अभी गाते हैं। "मैं उससे प्रेम करता हूं।"

यह अब आप पर निर्भर है। हमारी कोई संप्रदाय नहीं है, कुछ भी नहीं है। हमारे पास केवल मसीह है। उसके साथ आराधना करने के लिए आपका स्वागत है, हमारे साथ, उसके आने तक। हम आपका नाम किताब पर नहीं डाल सकते; हमारे पास कोई किताब नहीं है। हम आपका नाम जीवन की किताब में चाहते हैं। आप केवल जन्म के द्वारा ही ऐसा कर सकते हैं। क्या आप इसे ठीक अभी नहीं करेंगे? मसीह से नए जीवन के लिए मांगे, कि आपको अंदर लाएं, अपना नाम उसकी किताब पर डाले, यदि ये नहीं है। फिर, आप हमारे साथ संगति कर सकते हैं, हम आपको पाकर प्रसन्न होंगे। "मैं..."

208 प्रिय परमेश्वर, अब प्रत्येक व्यक्ति की सहायता करें कि सूची को ले, देखें कि क्या हम उसमें हैं। आपने हमसे प्रेम किया। आप हमारे लिए मारे गए थे, और हमने आपको परमेश्वर का मारा-कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि आप प्रत्येक को बुलाएंगे। प्रभु, मेरे बच्चों, मेरे प्रियजनों, मेरे मित्रों से बात कीजियें। इसे प्रदान करें, प्रभु, ठीक अभी, यीशु मसीह के नाम के द्वारा।

209 कोई भी बहुत देर तक प्रतीक्षा न करने पाए, प्रभु। बहुत ज्यादा करीब लग रहा है। फसल सचमुच पक चुकी है। इन दिनों में से एक दिन में परमेश्वर का बड़ा दल देश में फैल जाएगा, तिनके चारों ओर उड़ेंगे; लेकिन गेहूँ को उठा कर खलियान में रखा जाएगा, क्योंकि उसी में जीवन है। इसे प्रदान करें, प्रभु, प्रत्येक विनंती का उत्तर दिया जाना है, प्रत्येक प्रार्थना को आपके सामने प्रकट किया जाना है।

210 मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूँ, प्रभु। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप यहां जो कोई भी है उसे नाश नहीं होने देंगे, प्रभु। वे—वे—वे तकलीफ के नीचे बैठे हैं; वे—वे—वे सैकड़ों मील गाडी चलाकर आते हैं। और जिस किसी चीज की हमें आवश्यकता है, वो हमें दीजिये, प्रभु, जो कुछ हमारे भले के लिए है, प्रभु; ना ही वो जो हमारी दृष्टि में अच्छा है, लेकिन जो आपकी दृष्टि में अच्छा है। हम एक पवित्र कुंवारी के नाई खड़े होना चाहते हैं जिसे ताड़ना दी गई है, परमेश्वर की फटकार खाई हुई, तािक हमें हमारे पापों से शुद्ध किया जा सके। और मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूं, प्रभु।

211 मैं—मैं—मैं नहीं जानता कि कैसे प्रार्थना करना है। हम—हम सामर्थी परमेश्वर से बात कर रहे हैं। और वहां कौन–सा मनुष्य हुआ है, कौन–सा मरणहार मनुष्य जो जीवित परमेश्वर के सम्मुख सही प्रकार की प्रार्थना कर सकता है? लेकिन, प्रभु, मेरे गलत उच्चारण वाले शब्द, और—और गलत जगह पर मेरी संज्ञा और सर्वनाम के उच्चारण; यदि आप एक दिन उस छोटे लड़के के लिए क ख ग को लेकर, और—और एक वाक्य को बना सकते है, तो आप—आप मेरी संज्ञाओं और सर्वनामों को छोड़ सकते हैं और केवल वही देख सकते हैं कि मैं क्या विश्वास करता हूं, प्रभु।

मैं आप पर विश्वास करता हूं। मैं इस वचन पर विश्वास करता हूँ। और मैं यहाँ हर एक के लिए विश्वास कर रहा हूँ। और मैं—मैं विश्वास के द्वारा उन्हें उस वेदी पर ला रहा हूँ, प्रभु, जहाँ हमारे और महान यहोवा के बीच उसके पुत्र, यीशु का लहू है। और लहू हमारे लिये बोलेगा। जब आपने उसे कलवरी पर मारा, आपने कहा, "बोल!" "उसकी सुनो!" "और लहू," बाईबल ने कहा, "पुराने नियम में मेम्ने के लहू से भी बड़ी उत्तम बातें करता है, क्योंकि मसीह का लहू हाबिल के लहू से भी उत्तम बातें करता है; बहुत महान बातें।" और बोलता है, प्रभु, हमारे लिये छुटकारे को, जब हम लहू के द्वारा पुकारते हैं।

²¹² जीवन के महान पिता, हमें शामिल करें, प्रभु। यदि हमने—यदि हमने पाप किया है, तो इसे हमसे दूर कीजिये। हम, हम उस तरह से नहीं होना चाहते, प्रभु। हमारा उद्देश्य ऐसा नहीं है।

और हम एहसास करते है कि हम बहुत ही भयानक, बुरे तरीके से जी रहे हैं। जैसा कि हमने आरंभ में कहा था, हम ऊबड़-खाबड़ स्थानों में से होते हुए एक पहाड़ पर चढ़ रहे हैं। रास्ते में रोशनी कम है, लेकिन हम प्रकाश को लिए हुए हैं। हो सकता है, कदम दर कदम देखे, जैसे-जैसे हम अब चलते हैं; जब तक हम नहीं मिलतें, मुसाफिर के प्रगति की तरह, जब तक हम अंत में पहाड़ी की चोटी तक नहीं पहुँच जाते। हे चरवाहे, हमारा मार्गदर्शन कीजिये। महान यहोवा, अपनी आत्मा के द्वारा हमारी अगुवाई करे।

²¹³ और हम जानते हैं कि हम एक सर्वोतम रचना से बहुत दूर हैं; लेकिन हम देख रहे हैं कि हमें जहाँ से काटा गया था, जो सची सर्वोतम रचना है, और हम उस पर भरोसा करते हैं। बस हमें उसके पास ले चलिए, प्रभु। इसे प्रदान करें, प्रभु।

²¹⁴ यहाँ के सारे बीमार लोगों को चंगा करें, प्रभु। "हमने उसे मारा–कुटा और सताया हुआ समझा। लेकिन वह हमारे अपराधों के लिए घायल किया गया था।" परमेश्वर की सर्वोतम रचना पर प्रहार किया गया। "और वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया; उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गए।" बीमारों को चंगा कीजिये, प्रभु, अब अपनी दिव्य उपस्थिति में, जब हम जानते हैं कि आप यहाँ हैं।

²¹⁵ हमारे प्राणों को, हमारे ह्रदय को सारी बुराई से, सारे बुरे विचारों से, सारे बुरे संबंध से शुद्ध करें, सारी चीजें जो गलत हैं। हमें साफ़ करें। और हम प्रार्थना करते हैं, पिता, कि आप हमारी बीमारी को चंगा करेंगे, और हम यह महसूस करते हुए यहां से जाए कि हम आपके पवित्र किये गये बच्चे हैं। और लहू हमारे ऊपर है, हम लहू में से होते हुए, वचन में से होते हुए बोले। इसे प्रदान करे, प्रभु। हम यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

²¹⁶ पिता परमेश्वर, इन रूमालों के ऊपर, अपनी उपस्थिति से उनका अभिषेक कीजिये, प्रभु। होने पाए ये जहां कहीं भी जाएं, आपकी उपस्थिति उनके साथ रहे। जिस किसी पर भी रखा जाए, किसी भी बीमार शरीर पर,

होने पाए वे चंगे हो जाएं। और जो भी हो, यदि कहीं टूटा हुआ घर है, तो इसे सुधार दीजिये, प्रभु, महान मूर्तिकार। इसे प्रदान करें, प्रभु।

²¹⁷ हमें सांचे में ढाले, और हमें परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां बनाये। हम विश्वास करते है कि दुल्हन अपनी आखिरी चमक को ले रही है। इसे पूरे संगठन से पूरी तरह से कुल मिलाकर प्रहार किया जाएगा, और फिर बड़ी कटनी यहाँ पर होगी। तब तक के लिए, प्रभु, उन्हें आपकी सेवा करने के लिए स्वस्थ और खुश रखे। यीशु के नाम में। आमीन।

मैं उस से प्रेम करता हूं, मैं... क्या आप सचमुच उससे प्रेम करते हो? क्योंकि उसने पहले मुझ से प्रेम किया और मेरे उद्धार को खरीद लिया पर...

²¹⁸ अब आप समझ गए कि मैं आपको क्यों डांटता हूं? ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि मैं आपसे प्रेम करता हूँ... इसलिए नहीं कि मैं आपसे प्रेम नहीं करता। मैं आपसे प्रेम करता हूँ। मैं स्वामी के लिए एक सर्तोवम रचना को चाहता हूं। हो सकता है मुझे इस तरह से कुछ को फाड़ना पड़ सकता है, लेकिन मेरे पास एक सर्तोवम रचना होगी, इनमें से कुछ ही दिनों में, यदि मैं इसे इस वचन पर सही से बनाए रखूं। सही है।

²¹⁹ अब यीशु ने कहा, "जब तुम एक दूसरे के लिए प्रेम करोगे तो यह सारे लोग जान जायेंगे कि तुम मेरे चेलो हो।" हमें एक दूसरे से इतना प्रेम में होना चाहिए!

> धन्य है वह बंधन जो बांधता है मसीह प्रेम में हमारे ह्रदयो को; एक से मन के परिजनों की संगति ये उस ऊपर की तरह है।

आइये एक दूसरे के हाथ को पकडे।

जब हम भिन्न-भिन्न जुदा होते है, यह हमें भीतरी दर्द को देता है; लेकिन हम फिर भी हृदय में जुड़ जायेंगे, और फिर से मिलने की आशा है।

यीशु के नाम को अपने साथ ले, दुःख और शोक की संतान; ये तुम्हें आनंद और दिलासा देगा, जहां कहीं आप जाये इसे ले। बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर! धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद; बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर! धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

अब याद रखें, आपकी यात्रा में:

यीशु के नाम को अपने साथ ले, हर एक चिंता के लिए एक ढाल की नाई; जब तुम्हारे चारों ओर परिक्षाये घेरे होती हैं, (तब आप क्या करते है?) बस उस पवित्र नाम की प्रार्थना में सांस लें। ओह बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर! धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद; बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर! धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद। हमारे मिलने तक।

आइए सिरों को झुकाये। ओह, मुझे गीत गाना पसंद है! जब तक हम यीशु के चरणों में न मिलें; हमारे मिलने तक! हमारे मिलने तक! परमेश्वर आपके साथ हो...



सर्वोत्तम रचना HIN64-0705

(The Masterpiece)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 5 जुलाई, 1964 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE 19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam Chennai 600 034. India

044 28274560 • 044 28251791 india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.

www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org